RNI No: DELMUL/2012/47011

02 अक्टूबर, 2026 सोमवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 214

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



पीवी सिंधु ने जीता हाईलो ओपन का खिताब 07

ब्रीफ न्यूज

पंजाब में आप को झटका, दो विधायकों ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़। पंजाब में आप को बड़ा झटका लगा है। पटियाला जिले की समाना विस सीट से विधायक चेतन सिंह जोड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने रविवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। पार्टी ने एक दिन पहले ही 2027 के पंजाब विस चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने निधि राजदान से की शादी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की सियासत में एक बड़ी निजी खबर ने सबका ध्यान खींचा है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने अपने जीवन के एक नए सफर की शुरुआत की है। उन्होंने मशहूर टीवी पत्रकार निधि राजदान के साथ शादी कर ली है। खुद उमर ने एक्स पर तस्वीरें शेयर कर इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा-गत रोज ही एक नए सफर की शुरुआत हुई है।

इजराइलः आइजनकोट ने गठबंधन की 4 शर्तें रखीं

तेल अवीव। इजराइल में विपक्षी नेता गादी आइजनकोट ने नई सरकार बनाने के लिए 4 शर्तें रखी हैं। इनमें हरेदी समुदाय को सैन्य सेवा देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा इजराइल को यहूदी और लोकतांत्रिक देश बनाए रखना और गाजा से हमास का शासन खत्म करना शामिल है। आइजनकोट ने कहा-शर्तों को मानने वाले दलों के लिए रास्ता खुला है।

न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से हराया

हैमिल्टन। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां टी-20 मुकाबला 7 विकेट से हार गई है। हालांकि टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से अपने नाम की। हैमिल्टन में कीवी टीम ने 192 रन का टारगेट 3 विकेट खोकर 18 ओवर में चेज कर लिया। टिम साइफर्ट ने 50 बॉल पर 93 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 65 रन की पारी खेली।

जापान के तट के पास 6.0 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। जापान के मी प्रांत के तट के पास रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप का केंद्र भूकंप का केंद्र मी प्रांत की राजधानी त्सु से 110 किमी दक्षिण में था। त्सु की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। भूकंप समुद्र में जमीन से 352 किमी की गहराई में आया। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

वॉट्सएप पर ईपीएफओ सर्विस मंत्री ने की लॉन्च

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम मंत्री मंसुख मांडविया ने वॉट्सएप पर ईपीएफओ सेवाएं शुरू कीं। अब ईपीएफ सब्सक्राइबर ईपीएफओ की वेरिफाइड वॉट्सएप सेवा से पीएफ बैलेंस, 5 नए लेन-देन और पासबुक की जानकारी देख सकेंगे।

सेना दिवस-2027 के आयोजनों का शंखनाद, सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया एलान

सेना के शौर्य से होगा एमपी में 'युवा वर्ष' का आगाज

15 जनवरी को भोपाल में होगा राष्ट्रीय सेना दिवस का भव्य आयोजन

मध्यप्रदेश के 55 जिलों की मिट्टी से मुख्यमंत्री ने रोपा संकल्प वृक्ष

भारत की यशस्वी सेना, भोपाल की धरती पर करेगी अपने अदम्य पराक्रम-पुरुषार्थ और शौर्य का प्रदर्शन

- मप्र के स्थापना दिवस से देशभक्ति के महापर्व का हुआ शुभारंभ

भोपाल

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर राजधानी भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में 79वें राष्ट्रीय सेना दिवस (15 जनवरी 2027) के आयोजनों की ऐतिहासिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर सीएम डॉ. मोहन यादव और सुदर्शन चक्र कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने संयुक्त रूप से संकल्प वृक्ष यानी अर्जुन का पौधा लगाया।

यह आयोजन प्रदेश की एकता, अखंडता और देशभक्ति के अनूठे संगम का प्रतीक बना। संकल्प वृक्ष पौध-रोपण अभियान के तहत एनसीसी कैडेट्स प्रदेश के सभी 55 जिलों से कलशों में मिट्टी एकत्रित कर भोपाल लाए थे। इस मिट्टी को पौधे की जड़ों में मिलाकर पूरे प्रदेश को एक सूत्र में पिरोने का संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री ने सेना और एनसीसी की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न बोलियों और सांस्कृतिक विविधताओं के बावजूद यह आयोजन भारत की एकता और अखंडता को प्रदर्शित करता है।



2027 होगा 'युवा वर्ष'

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार का आगामी वर्ष 2027 युवा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा, जबकि वर्तमान वर्ष 2026 किसान कल्याण वर्ष के रूप में समर्पित है। प्रदेश के युवा वर्ष का शुभारंभ भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य पुरुषार्थ के साथ होना मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय है। 1 नवंबर से 15 जनवरी तक पूरे प्रदेश में सेना से जुड़ी विभिन्न जागरूकता और प्रेरणादायक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

मेजबानी करेगा मध्यप्रदेश

सीएम मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रक्षा और सैन्य व्यवस्था में किए गए आधुनिक नवाचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना और एनसीसी के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्र सेवा का संकल्प मजबूत हो रहा है। मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी का अवसर देने के लिए रक्षा मंत्रालय और भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया।

15 जनवरी को दिखेगी सैन्य शक्ति

आगामी 15 जनवरी को पहली बार भोपाल की धरती पर सेना दिवस की मुख्य परेड का आयोजन होगा। इस दौरान सेना के आधुनिक टैंक, उन्नत सैन्य तकनीक, युद्ध कौशल, रण हुंकार और कॉम्बैट ड्रिल्स का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा। शौर्य स्मारक में आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने सैन्य प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया, जिसमें 15 जनवरी को होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

मंत्रियों की सौंपा जिम्मा

समारोह के दौरान सीएम ने कहा-मंत्रिपरिषद के सदस्यों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जहां वे जिला स्तरीय स्थापना दिवस समारोहों में सहभागिता करेंगे। किसान कल्याण वर्ष अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए जाएंगे।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रहा मप्र

स्थापना दिवस पर पीएम मोदी ने दी बधाई



इधर, मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मध्यप्रदेश विश्वविख्यात धरोहर स्थलों के कारण अपनी ऐतिहासिक पहचान को और भव्य बनाता है। कृषि, उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन के क्षेत्र में प्रदेश लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। मध्यप्रदेश अपने सर्वांगीण विकास के साथ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रहा है। स्थापना दिवस का यह विशेष अवसर राज्य के लोगों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

भाजपा ने देशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ निकाला मार्च, नड्डा बोले

सिख नरसंहार भूल राहुल गांधी चमका रहे राजनीति

भाजपा अध्यक्ष बोले- वोट चोरी कांग्रेस की विरासत

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने रविवार को दिल्ली समेत देशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा नेताओं ने कहा-कांग्रेस ने रामलीला मैदान में एसआई आर के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था, लेकिन राहुल गांधी शहीदों को भूलकर अपनी राजनीति चमका रहे हैं।



राहुल बोले-ज्ञानेश कुमार जाएंगे जेल

उधर, इंडिया गठबंधन ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध में पहले मार्च और फिर रैली निकाली। चार घंटे चले विरोध प्रदर्शन में 20 विपक्षी पार्टियां शामिल हुईं। वहीं राहुल गांधी ने कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी करवाई है, उन्हें जेल जाना होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे पाताल में भी चले जाएं, उन्हें खोजकर लाएंगे। उन्हें छोड़ेंगे नहीं। रामलीला मैदान में लेफ्ट नेता एमए बेबी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, फारुख अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती ने भी संबोधित किया।

राहुल बन गए टूलकिट

इधर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं।

आर यू रेडी! सामने आई बुलेट ट्रेन की मेकिंग

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जारी किया वीडियो

- पहली बुलेट ट्रेन 15 अगस्त 2027 को होगी शुरू
- दिल्ली से गुवाहाटी तक 10 शहरों से जुड़ेगा रूट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को एक्स पर भारत की पहली बुलेट ट्रेन की मेकिंग का वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा- क्या आप तैयार हैं! भारत की पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण... यह वीडियो मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का है। रेल मंत्री ने पहले ही बताया था कि देश की पहली बुलेट ट्रेन 15 अगस्त 2027 को ट्रैक पर आएगी। यह 508 किमी लंबा कॉरिडोर है। इसमें 352 किमी गुजरात और दादरा नगर हवेली में और 156 किमी महाराष्ट्र में है। इसका 85 फीसदी हिस्सा एलिवेटेड वायाडक्ट पर बन रहा है। पहला सेक्शन सूरत-बिलिमोरा के बीच शुरू होने की उम्मीद है।



सवाल पूछने से डरने वाले समाज में पनपती है तानाशाही

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्जवल भुइयां ने एक बयान में कहा है कि तानाशाही उस समाज में पनपती है जहां लोग सवाल पूछने से डरते हैं। मेघालय की यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा कि जो समाज अपनी परंपराओं पर सवाल नहीं उठाता, वह अन्यायपूर्ण प्रथाओं को सुधारने में नाकाम रहता है। मनमानी सत्ता हमेशा डर और बिना परखे विश्वासों के सहारे फलती-फूलती है। संविधान के अनुच्छेद 51 ए का हवाला देते हुए उन्होंने नागरिकों से वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का आह्वान किया। इसका अर्थ केवल वैज्ञानिक ज्ञान पाना नहीं, बल्कि तर्क के आधार पर सोचना, परखना और सुधार करना है। यही सोच कानून के शासन की असली नींव रखती है।

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्जवल भुइयां ने कहा



चीजों की जांच-परख जरूरी: जस्टिस उज्जवल भुइयां ने स्वस्थ बहस की वकालत करते हुए कहा कि सवाल पूछने वालों को दूसरों के विचार सुनने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। सार्थक चर्चा तभी संभव है जब लोगों के पास सही जानकारी की पहुंच हो।

पीवी सिंधू ने जर्मनी में जीता हाइलो ओपन का खिताब

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाइलो ओपन सुपर-500 टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने डेनमार्क की दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराया। इस जीत के साथ सिंधू ने सीजन का अपना दूसरा खिताब हासिल किया। जर्मनी के सारब्रुकेन में 39 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया। सिंधू का इस सीजन में यह दूसरा खिताब है।



कमर्शियल सिलेंडर महंगा, फोन स्क्रीन पर अब दिखेगा कॉलर का असली नाम

टोल नाके के 20 किमी दायरे में रहने वालों के लिए लोकल पास

एजेंसी ■ नई दिल्ली



नवंबर महीने के पहले दिन से देश में कई बड़े और अहम बदलाव लागू हो गए हैं। दिवाली और छठ से पहले महंगाई का झटका देते हुए सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 10 से 17 रुपए तक की बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस के के दाम स्थिर हैं। इसके साथ ही देशभर में डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान शुरू हो चुका है। वहीं एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अब म्यूचुअल फंड का डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट रूप से लागू होगा। सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन नियम लागू होने के बाद अब फोन पर किसी अनजान नंबर से कॉल आने पर स्क्रीन पर सिर्फ नंबर नहीं, बल्कि कॉलर का असली नाम भी दिखाई देगा।

निजी चालकों को राहत

केंद्र ने टोल प्लाजा के 20 किमी के दायरे में रहने वाले निजी वाहन चालकों के लिए राहत देते हुए 1,500 से 3,000 रुपए सालाना तक का रियायती स्थानीय पास शुरू किया है, जिससे सालभर आना-जाना आसान होगा।

रिकॉर्ड त्योहारों के बीच केंद्र सरकार की बंपर कमाई से भरा खजाना, सात माह में राजस्व बढ़कर 12.69 लाख करोड़ हुआ

जीएसटी संग्रह 2.31 लाख करोड़ के पार, असम अव्वल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

त्योहारी सीजन के बीच देश के कर संग्रह के मोर्चे पर शानदार खबर सामने आई है। रविवार को वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर महीने में भारत का सकल जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 22.9 फीसदी की बढ़त के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो कि पिछले साल इसी महीने में 1.88 लाख करोड़ था। रिफंड की राशि को घटाने के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व इस महीने 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया, जबकि अक्टूबर 2025 में यह 1.61 लाख करोड़ था। सकल कलेक्शन में आई इस तेजी का मुख्य कारण आयात से प्राप्त राजस्व में 42.2 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी रहा। देश के बड़े औद्योगिक और व्यावसायिक राज्यों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है।

कस्टम्स राजस्व में इजाफा: अक्टूबर के दौरान कुल रिफंड सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत बढ़कर 27,934 करोड़ हो गया। इसमें घरेलू रिफंड 9.8 प्रतिशत बढ़कर 14,007 करोड़ और आयात पर रिफंड 3.4 प्रतिशत बढ़कर 13,927 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। घरेलू जीएसटी राजस्व 16.4 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपए हो गया। कस्टम्स से जुड़े जीएसटी संग्रह 56.2 प्रतिशत बढ़कर 58,319 करोड़ पर पहुंच गया।

आयात राजस्व बढ़ा

आयात से मिलने वाला राजस्व बढ़कर 72,246 करोड़ हो गया, जो एक साल पहले 50,796 करोड़ था। इसके साथ ही, घरेलू जीएसटी राजस्व में भी 15.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। यह 1.37 लाख करोड़ से बढ़कर 1.59 लाख करोड़ हो गया।



असम ने लगाई छलांग

असम ने सभी राज्यों में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 प्रतिशत की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की और इसका संग्रह बढ़कर 1,934 करोड़ रुपए हो गया। यूपी और बिहार दोनों ही राज्यों में 24 प्रतिशत की ठोस वृद्धि दर्ज की गई। वहीं कुल मिलाकर सात महीने की अवधि के दौरान शुद्ध जीएसटी राजस्व भी 12.6 प्रतिशत बढ़कर 12.69 लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

प्रमुख आंकड़े

- केंद्रीय जीएसटी: 42,935 करोड़ रुपए
- राज्य जीएसटी: 51,340 करोड़ रुपए
- एकीकृत जीएसटी: 64,769 करोड़ रुपए
- महाराष्ट्र: 35,150 करोड़, 13 फीसदी वृद्धि
- कर्नाटक: 15,922 करोड़ ,18 फीसदी इजाफा
- गुजरात: 13,516 करोड़, 16 प्रतिशत की वृद्धि
- हरियाणा: 11,529 करोड़, 17 फीसदी की वृद्धि

नेपाल में भारी बर्फबारी, छह भारतीय सैलानी फंसे

- एयरलिफ्ट के लिए भेजा सेना का हेलीकॉप्टर
- गाइड की नहीं मानी थी चेतावनी, संपर्क टूटा

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल के डोल्पा जिले में स्थित प्रसिद्ध शे-फोक्सुंडो नेशनल पार्क क्षेत्र में मौसम अचानक बिगड़ने और भीषण हिमपात होने के कारण छह भारतीय नागरिक फंस गए हैं। शनिवार दोपहर से बर्फबारी के बीच फंसे इन सैलानियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए प्रशासन व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चला रहा है। डोल्पा की सीडीओ जूनू धाकल के अनुसार, दल में दो महिला यात्री भी शामिल हैं। यह समूह शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 8 में स्थित धो क्षेत्र की ओर गया था, जो मौजूदा समय में पूरी तरह बर्फ की मोटी चादर में तब्दील हो चुका है। गाइड और सुरक्षा बलों ने आगे न बढ़ने की हिदायत दी थी, लेकिन पर्यटकों ने चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया।



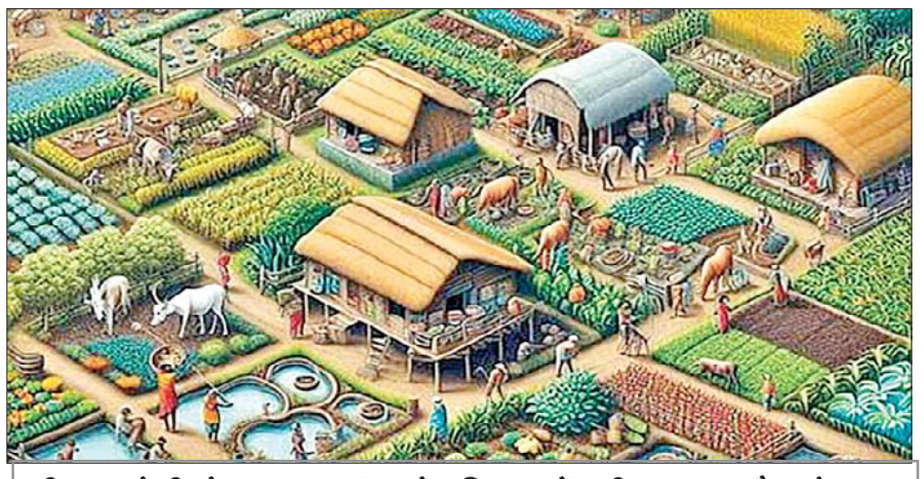
डिजिटल ठगी

जवाबदेही जरूरी

डिजिटल तकनीक ने जीवन को जितना आसान और सुविधाजनक बनाया है, उतना ही इसके दुरुपयोग ने आम नागरिकों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे बैंकिंग, खरीदारी, भुगतान और आर्थिक लेनदेन संभव हो गया है, लेकिन इसी सुविधा का लाभ उठाकर साइबर अपराधी लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। डिजिटल ठगी अब केवल तकनीकी समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह देश की आर्थिक सुरक्षा, नागरिकों के विश्वास और बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुकी है। आए दिन साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं समाचारों की सुर्खियां बनती हैं। कभी डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए जाते हैं तो कभी बैंक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर लोगों को भयभीत किया जाता है।सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया है कि आखिर इतनी जागरूकता के बावजूद पढ़े-लिखे लोग भी साइबर अपराधियों के जाल में कैसे फंस रहे हैं? मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान यहां तक कहा कि मोबाइल पर किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। यदि कोई इस तरह डराता है तो मोबाइल दीवार पर मार दीजिए, डिजिटल अरेस्ट अपने आप खत्म हो जाएगा। उनकी यह टिप्पणी केवल व्यंग्य नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला संदेश है। कानून की जानकारी रखने वाले और शिक्षित नागरिक भी जब फर्जी गिरफ्तारी, जांच और कानूनी कार्रवाई के भय से अपनी जमा पूंजी ठगों को सौंप देते हैं तो यह चिंता का विषय बन जाता है।डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराध का ऐसा तरीका है जिसमें ठग स्वयं को पुलिस, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय या अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर किसी व्यक्ति को फोन अथवा वीडियो कॉल के माध्यम से डराते हैं। उसे किसी गंभीर अपराध में शामिल होने की झूठी कहानी सुनाई जाती है। फिर गिरफ्तारी, पूछताछ और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर लगातार निगरानी में रखा जाता है। पीड़ित व्यक्ति को परिवार और परिचितों से बात करने तक से रोका जाता है। इसी मानसिक दबाव में वह अपनी बैंक जमा पूंजी अपराधियों के खातों में स्थानांतरित कर देता है। वास्तविकता यह है कि भारत में डिजिटल माध्यम से किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। किसी भी सरकारी एजेंसी की कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही होती है।इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण चिंता बैंकों की जवाबदेही को लेकर है। अदालत ने संकेत दिया है कि यदि बैंक की लापरवाही के कारण डिजिटल ठगी होती है तो बैंक को मुआवजा देने के लिए निर्देशित करने पर विचार किया जा सकता है। यह विचार साइबर अपराध के विरुद्ध लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अभी तक अधिकांश मामलों में ठगी का शिकार होने वाला व्यक्ति ही अपनी रकम वापस पाने के लिए बैंक, पुलिस और साइबर अपराध शाखा के चक्कर लगाता रहता है। कई बार शिकायत दर्ज होने के बावजूद धनराशि वापस नहीं मिल पाती। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब बैंक ग्राहकों की जमा पूंजी की सुरक्षा और आर्थिक लेनदेन की निगरानी के लिए जिम्मेदार हैं तो संदिग्ध गतिविधियों के समय उनकी जवाबदेही क्यों तय नहीं होनी चाहिए?

कृषि समृद्धि और ग्रामीण संस्कृति का सम्मान

कांतिलाल मांडोत



पीएम मोदी ने बनासकांठा के किसानों की लगन और मेहनत का हवाला देकर आलू से सोना बनाने के दावे पर तंज भी किया

स्तम्भ

गुजरात के बनासकांठा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना आलू से सोना बनाने वाले पुराने बयान पर ऐसा राजनीतिक तंज कसा, जिसने एक बार फिर खेती, किसान और राजनीतिक दावों की चर्चा को केंद्र में ला दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बनासकांठा का आलू आज दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां आकर कोई किसान से यह नहीं कहता कि आलू से सोना बनाएंगे, क्योंकि यहां के किसान पहले से ही आलू से सोना बना रहे हैं। मोदी के इस बयान का सीधा संकेत उस राजनीतिक टिप्पणी की ओर था, जिसमें आलू से सोना बनाने की बात कहकर किसानों को लेकर किए गए दावों पर सवाल उठे थे। प्रधानमंत्री ने अपने अंदाज में यह संदेश दिया कि किसानों की मेहनत, आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और बाजार से जुड़ाव ही खेती को समृद्धि में बदलने की वास्तविक ताकत है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर शुक्रवार को बनासकांठा पहुंचे। यहां आयोजित विशाल जनसभा में उन्होंने किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम की एक विशेष बात यह भी रही कि किसानों के बैठने के लिए कुर्सियों के स्थान पर चारपाइयों की व्यवस्था की गई थी। प्रधानमंत्री ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश के दूसरे हिस्सों के लोगों के लिए यह दृश्य किसी अजूबे से कम नहीं होगा कि एक बड़ी जनसभा में सभी लोग चारपाइयों पर बैठे हैं। बनासकांठा के लोगों ने गांवों की पुरानी परंपरा को जीवित रखा है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि यदि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधियों को बुलाया गया होता तो यह आयोजन रिकॉर्ड में दर्ज हो सकता था। इस टिप्पणी के माध्यम से उन्होंने ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की। इसके अंतर्गत देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की गई। गुजरात के 50 लाख से अधिक किसानों को भी इसका लाभ मिलने की बात कही गई। प्रधानमंत्री ने 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त दो नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। कृषि, पशुपालन, डेयरी, ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं और परिवहन के क्षेत्र में इन परियोजनाओं को महत्वपूर्ण बताया गया।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बनासकांठा के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि लगभग 25 वर्ष पहले इस क्षेत्र में बिजली और पानी की गंभीर समस्याएं थीं। उस समय लोगों को पानी और बिजली बचाने की बात समझाना भी आसान नहीं था। जब वे लोगों से संसाधनों के संरक्षण की अपील करते थे तो विरोध का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि उस समय भी वे लोगों को समझाते रहे और आज परिस्थितियों में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। हालांकि विकास के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। इसलिए उन्होंने एक बार फिर किसानों और आम नागरिकों से पानी तथा बिजली बचाने का आ''ान किया। उनका कहना था कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना सभी का दायित्व है।

खेती को लाभकारी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने केवल फसल उत्पादन पर निर्भर रहने के बजाय कृषि के साथ पशुपालन, जैविक खाद और ऊर्जा उत्पादन को जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसान गोबर और खेती के अवशेषों से भी अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए बायोगैस, बायो सीएनजी और जैविक खाद तैयार करने का आधारभूत ढांचा विकसित किया जा रहा है। थराद और राधनपुर में दो बायो सीएनजी संयंत्रों का शिलान्यास इसी दिशा में उठाया गया कदम है। इससे किसानों के लिए खेती के साथ आय के नए अवसर तैयार हो सकते हैं। कृषि अवशेषों का उपयोग होने से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में विज्ञान तथा आधुनिक तकनीक के बढ़ते उपयोग का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन के माध्यम से देशी नस्लों का संरक्षण और संवर्धन किया जा रहा है। बनासकांठा में स्थापित भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां मुर्रा और जाफराबादी जैसी उन्नत नस्लों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी किसान के पास अच्छी नस्ल की गाय है, जो अधिक दूध देती है और कम खर्च में स्वस्थ रहती है, तो वह चाहता है कि आने वाली पीढ़ियों में भी ये गुण बने रहें। आईवीएफ तकनीक इस उद्देश्य को पूरा करने में मददगार साबित हो सकती है। इससे पशुपालकों की उत्पादकता और आमदनी बढ़ाने का रास्ता खुलेगा।पशुओं के स्वास्थ्य को लेकर भी सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि मुफ्त टीकाकरण अभियान के अंतर्गत अब तक करीब 150 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। आठ करोड़ से अधिक किसानों के पशुओं को मुफ्त टीकाकरण का लाभ मिला है। इससे पशुपालकों का खर्च कम हुआ है और पशुओं को बीमारियों से बचाने में सहायता मिली है। उन्होंने दूध उत्पादन में हुई वृद्धि का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2013-14 में एक गाय या भैंस से औसतन पांच लीटर से भी कम दूध प्राप्त होता था, जबकि अब यह बढ़कर लगभग आठ लीटर तक पहुंच गया है। भारत आज विश्व में दूध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी है।

मोदी ने कृषि क्षेत्र में बजट और सरकारी सहायता में हुई वृद्धि का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार वर्ष 2013-14 की तुलना में कृषि बजट लगभग पांच गुना हो चुका है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से अब तक छोटे किसानों के खातों में बड़ी राशि पहुंचाई गई है। उन्होंने कहा कि देश में 85 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे और सीमांत वर्ग से आते हैं। लंबे समय तक उनकी आर्थिक जरूरतों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया, लेकिन वर्तमान सरकार ने सीधे बैंक खातों में सहायता पहुंचाने की व्यवस्था की है। वैश्विक परिस्थितियों के कारण खाद की कीमतों में वृद्धि होने के बावजूद किसानों पर इसका पूरा बोझ नहीं पड़ने दिया गया। सरकार ने किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने के लिए लगभग 16 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं।प्रधानमंत्री ने आधुनिक खेती के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड, उन्नत बीज और कृषि अवसंरचना को भी जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि देश के किसानों को करीब तीन हजार नई बीज किस्में उपलब्ध कराई गई हैं। 26 करोड़ से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से किसानों को अपने खेतों की मिट्टी की जरूरत समझने में मदद मिली है। कृषि अवसंरचना कोष के तहत पूरी हो चुकी 521 परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित की गईं। इन पर करीब 4950 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इनमें शीतगृह, गोदाम, साइलो, पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं से किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने और बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

प्रधानमंत्री ने मछली पालन और मधुमक्खी पालन में भी बढ़ते अवसरों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत का समुद्री खाद्य निर्यात पिछले वर्षों में दोगुना हुआ है। मधुमक्खी पालन के माध्यम से शहद उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और भारत प्राकृतिक शहद के बड़े निर्यातक देशों में शामिल हो चुका है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए खेती के साथ अनेक सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सिनेमा समाज को संवारे या सोच बिगाड़े

डॉ. सत्यवान सौरभ



विचार

भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज की सोच, संवेदनाओं, मान्यताओं और व्यवहार को प्रभावित करने वाली एक सशक्त सांस्कृतिक शक्ति है। भारत जैसे बहुभाषी, बहुधार्मिक और विविधतापूर्ण देश में सिनेमा सामाजिक चेतना के निर्माण, सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने और जनमत को दिशा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्दे पर दिखाई जाने वाली कहानियाँ कभी समाज की रूढ़ियों को चुनौती देती हैं, तो कभी अनजाने में उन्हीं रूढ़ियों को मजबूत भी करती हैं। इसलिए सिनेमा का मूल्यांकन केवल उसकी लोकप्रियता या व्यावसायिक सफलता के आधार पर नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले उसके व्यापक प्रभावों के आधार पर किया जाना चाहिए।

सिनेमा की सबसे बड़ी सकारात्मक भूमिका सामाजिक समस्याओं को जनचर्चा का विषय बनाना है। समाज में अनेक ऐसी समस्याएँ मौजूद रहती हैं, जिन्हें लोग व्यक्तिगत अनुभव के रूप में तो देखते हैं, लेकिन उनके व्यापक सामाजिक स्वरूप को समझ नहीं पाते। फिल्में इन समस्याओं को मानवीय कहानियों के माध्यम से सामने लाकर लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करती हैं। आमिर खान की फिल्म तारे ज़मीन पर ने बच्चों में डिस्लेक्सिया जैसी सीखने संबंधी कठिनाइयों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसने शिक्षा व्यवस्था को यह संदेश दिया कि प्रत्येक बच्चा अलग क्षमता और सीखने की शैली रखता है। बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी विशिष्ट प्रतिभाओं को पहचानना आवश्यक है। इसी प्रकार, पैडमैन ने मासिक धर्म स्वच्छता जैसे विषय पर सामाजिक चुप्पी तोड़ने और जागरूकता बढ़ाने में भूमिका निभाई।महिलाओं की गरिमा, समानता और अधिकारों के संदर्भ में भी भारतीय सिनेमा ने उल्लेखनीय हस्तक्षेप किया है। फिल्म पिंक ने सहमति के प्रश्न को केंद्र में रखकर स्पष्ट किया कि किसी महिला का पहनावा, उसका सामाजिक व्यवहार अथवा किसी स्थान पर उसकी उपस्थिति उसकी सहमति का विकल्प नहीं हो सकती। इसी तरह थप्पड़ ने घरेलू हिंसा और वैवाहिक संबंधों में सम्मान के महत्त्व पर प्रश्न उठाए। ऐसी फिल्में उन सामाजिक धारणाओं को चुनौती देती हैं, जिनमें परिवार की प्रतिष्ठा के नाम पर महिलाओं से अन्याय सहने की अपेक्षा की जाती है। हालाँकि किसी फिल्म से सामाजिक परिवर्तन अपने आप नहीं आता, लेकिन वह परिवर्तन के लिए आवश्यक वैचारिक जमीन अवश्य तैयार कर सकती है।जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता के विरुद्ध चेतना जगाने में भी सिनेमा की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। अनुभव सिन्हा की आर्टिकल 15 ने जातिगत भेदभाव, सामाजिक वंचना और संस्थागत असमानताओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसने दर्शकों को यह समझने का अवसर दिया कि संवैधानिक समानता के बावजूद सामाजिक व्यवहार में भेदभाव की चुनौतियाँ बनी रह सकती हैं। जब फिल्मों में वंचित समुदायों के संघर्ष, आकांक्षाओं और अनुभवों को स्थान मिलता है, तब समाज के उन वर्गों की आवाज भी व्यापक दर्शक समुदाय तक पहुँचती है, जिन्हें प्रायः मुख्यधारा की चर्चाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता। राष्ट्रीय एकता और सामूहिक पहचान को मजबूत करने में भी सिनेमा प्रभावी माध्यम है। चक दे! इंडिया ने विविध क्षेत्रीय और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आने वाली महिला खिलाड़ियों की टीम के माध्यम से सहयोग, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव का संदेश दिया। वहीं रंग दे बसंती ने युवाओं को नागरिक जिम्मेदारी, भ्रष्टाचार और लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे प्रश्नों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। ऐसी कहानियाँ बताती हैं कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी निभाने से भी प्रकट होता है। क्षेत्रीय सिनेमा भी इस दिशा में महत्त्वपूर्ण है। कांतारा ने तटीय कर्नाटक की स्थानीय परंपराओं, लोकविश्वासों और प्रकृति से जुड़े सांस्कृतिक संबंधों को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुँचाया। इससे क्षेत्रीय भाषाओं और लोकसंस्कृतियों के प्रति रुचि बढ़ सकती है।

लेकिन सिनेमा का दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। मनोरंजन और व्यावसायिक सफलता की होड़ में कुछ फिल्में सामाजिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देने के बजाय उन्हें दोहराती हैं। जाति, धर्म, क्षेत्र और समुदायों को एकांगी रूप में दिखाने से दर्शकों के मन में गलत धारणाएँ मजबूत हो सकती हैं। किसी पूरे समुदाय को अपराध, हिंसा या पिछड़ेपन से जोड़कर प्रस्तुत करना सामाजिक अविश्वास बढ़ा सकता है। विशेष रूप से संवेदनशील धार्मिक और राजनीतिक विषयों पर एकतरफा चित्रण सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे सकता है। हालाँकि विवादास्पद विषयों को दिखाना अपने आप में अनुचित नहीं है, लेकिन ऐतिहासिक तथ्यों, सामाजिक संदर्भों और मानवीय जटिलताओं की उपेक्षा गंभीर समस्या बन सकती है।हिंसा का महिमामंडन भी चिंता का विषय है। जब फिल्मों में बदला लेने, हथियारों के इस्तेमाल, कानून को अपने हाथ में लेने और आक्रामक व्यवहार को बार-बार वीरता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो कुछ दर्शकों में हिंसा के प्रति संवेदनशीलता कम होने का जोखिम पैदा हो सकता है। विशेषकर किशोर दर्शक पात्रों की नकल करने या उनके व्यवहार को आदर्श मानने की कोशिश कर सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हिंसक दृश्य देखने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंसक बन जाता है, बल्कि यह है कि लगातार दोहराए जाने वाले संदेश सामाजिक व्यवहार और धारणाओं को प्रभावित कर सकते हैं।महिलाओं के चित्रण में वस्तुकरण और रूढ़िबद्ध भूमिकाएँ भी सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करती हैं। कई प्रस्तुतियों में महिला पात्रों को स्वतंत्र विचारों वाली व्यक्तियों के बजाय पुरुष नायक की सफलता, आकर्षण या मनोरंजन का साधन बना दिया जाता है। पीछा करने, बार-बार मना करने के बावजूद दबाव डालने और ईर्ष्या को प्रेम का प्रमाण बताने जैसी प्रवृत्तियाँ प्रेम और सहमति की स्वस्थ समझ को नुकसान पहुँचा सकती हैं। इसके साथ ही, विलासितापूर्ण जीवनशैली, महँगी वस्तुओं और त्वरित सफलता को जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि के रूप में दिखाना उपभोक्तावाद तथा अवास्तविक अपेक्षाओं को बढ़ा सकता है। इससे युवाओं में सामाजिक तुलना, आर्थिक दबाव और दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका रहती है।इस स्थिति में समाधान सिनेमा पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाने में नहीं, बल्कि रचनात्मक स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित करने में है। फिल्मकारों को विविध समुदायों, महिलाओं, ग्रामीण समाज और वंचित समूहों का चित्रण करते समय संवेदनशीलता तथा शोध को महत्त्व देना चाहिए। दर्शकों में मीडिया साक्षरता विकसित करना भी आवश्यक है, ताकि वे पर्दे पर दिखाई गई कहानी और वास्तविक जीवन के बीच अंतर समझ सकें। विद्यालयों और महाविद्यालयों में फिल्मों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों पर संवाद आयोजित किए जा सकते हैं। साथ ही, आयु-आधारित वर्गीकरण, पारदर्शी नियमन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सकारात्मक बदलाव के लिए ऐसी कहानियों को भी प्रोत्साहन मिलना चाहिए, जो केवल महानगरों और प्रभावशाली वर्गों तक सीमित न रहकर भारत की विविध सामाजिक वास्तविकताओं को सामने लाएँ।

स्वार्थ और कामचोरी की मानसिकता

खोखला होता देश

लोकतांत्रिक राष्ट्र की प्रगति, स्थिरता और वैश्विक साख उसकी प्रशासनिक व्यवस्था की ईमानदारी, कानून के निष्पक्ष शासन और नागरिकों के अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण पर टिकी होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहां विकास की अनंत संभावनाएं हैं वहां आज एक ऐसी अदृश्य और आत्मघाती बीमारी जड़ जमा चुकी है जो सीमाओं पर खड़े दुश्मनों से भी कहीं अधिक खतरनाक है। यह बीमारी है स्वार्थ, कामचोरी और भ्रष्टाचार की वह गहरी मानसिकता, जो आज हमारे तंत्र के भीतर दीमक की तरह काम कर रही है और राष्ट्र के बुनियादी ढांचे को अंदर से खोखला बना रही है। स्वतंत्रता के अमृत काल में जब हमें एक महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होना चाहिए था तब हमारी ऊर्जा, संसाधन और समय व्यवस्था की आंतरिक विसंगतियों से लड़ने में नष्ट हो रहे हैं। आज देश का शायद ही कोई ऐसा सरकारी, अर्ध-सरकारी या सार्वजनिक विभाग बचा हो जहां आम आदमी बिना किसी मानसिक प्रताड़ना, अत्यधिक देरी या अनुचित वित्तीय समझौते के अपना जायज और वैध काम करवा सके। कार्यालयों में कुर्सियों पर बैठे अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी अपने 'लोकसेवक' होने के मूल चरित्र और संवैधानिक दायित्वों को पूरी तरह विस्मृत कर चुके हैं। केंद्रीय और राज्य सतर्कता आयोगों की वार्षिक रिपोर्टों पर दृष्टि डालें तो हर साल देश में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के हजारों मामले दर्ज होते हैं। यह स्थिति यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सार्वजनिक विभागों की वर्तमान कार्यशैली पूरी तरह से जनविरोधी और संवेदनहीन हो चुकी है। इन विभागों में नियमों और कानूनों का निर्माण जनहित को सुगम बनाने के लिए किया गया था लेकिन वर्तमान में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। आज नियमों की आड़ लेकर आम जनता को परेशान करना और उनसे 'सुविधा शुल्क' यानी रिश्वत की वसूली करना, एक सामान्य प्रशासनिक संस्कृति बन चुका है। जब एक साधारण और कानून का पालन करने वाला नागरिक किसी कार्यालय में अपने वैधानिक कार्य के लिए कदम रखता है, तो उसे सीधे तौर पर नियमों की ऐसी जटिल और अंतहीन



भूलभुलैया में उलझा दिया जाता है कि वह थक-हारकर बिचौलियों की शरण में जाने और रिश्वत देने को विवश हो जाए। फाइलों को बेवजह दबाकर रखना, काउंटर से काउंटर पर दौड़ाना और कागजों में जानबूझकर तकनीकी कमियां निकालना तो आज की कार्यप्रणाली का मुख्य हिस्सा बन चुका है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब इन अधिकारियों और कर्मचारियों लोकतांत्रिक राष्ट्र की प्रगति, स्थिरता और वैश्विक साख उसकी प्रशासनिक व्यवस्था की ईमानदारी, कानून के निष्पक्ष शासन और नागरिकों के अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण पर टिकी होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहां विकास की अनंत संभावनाएं हैं वहां आज एक ऐसी अदृश्य और आत्मघाती बीमारी जड़ जमा चुकी है जो सीमाओं पर खड़े दुश्मनों से भी कहीं अधिक खतरनाक है। यह बीमारी है स्वार्थ, कामचोरी और भ्रष्टाचार की वह गहरी मानसिकता, जो आज हमारे तंत्र के भीतर दीमक कीतरह काम कर रही है और राष्ट्र के बुनियादी ढांचे को अंदर से खोखला बना रही है। स्वतंत्रता के अमृत काल में जब हमें एक महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होना चाहिए था तब हमारी ऊर्जा, संसाधन और समय व्यवस्था की आंतरिक विसंगतियों से लड़ने में नष्ट हो रहे हैं। आज देश का शायद ही कोई ऐसा सरकारी, अर्ध-सरकारी या सार्वजनिक विभाग बचा हो जहां आम आदमी बिना किसी मानसिक प्रताड़ना, अत्यधिक देरी या अनुचित वित्तीय समझौते के अपना जायज और वैध काम करवा सके। कार्यालयों में कुर्सियों पर बैठे अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी अपने 'लोकसेवक' होने के मूल चरित्र और संवैधानिक दायित्वों को पूरी तरह विस्मृत कर चुके हैं। केंद्रीय और राज्य सतर्कता आयोगों की वार्षिक रिपोर्टों पर दृष्टि डालें तो हर साल देश में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के हजारों मामले दर्ज होते हैं। यह स्थिति यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सार्वजनिक विभागों की वर्तमान कार्यशैली पूरी तरह से जनविरोधी और संवेदनहीन हो चुकी है। इन विभागों में नियमों और कानूनों का निर्माण जनहित को सुगम बनाने के लिए किया गया था लेकिन वर्तमान में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। आज नियमों की आड़ लेकर आम जनता को परेशान करना और उनसे 'सुविधा शुल्क' यानी रिश्वत की वसूली करना, एक सामान्य प्रशासनिक संस्कृति बन चुका है। जब एक साधारण और कानून का पालन करने वाला नागरिक किसी कार्यालय में अपने वैधानिक कार्य के लिए कदम रखता है, तो उसे सीधे तौर पर नियमों की ऐसी जटिल और अंतहीन भूलभुलैया में उलझा दिया जाता है कि वह थक-हारकर बिचौलियों की शरण में जाने और रिश्वत देने को विवश हो जाए। फाइलों को बेवजह दबाकर रखना, काउंटर से काउंटर पर दौड़ाना और कागजों में जानबूझकर तकनीकी कमियां निकालना तो आज की कार्यप्रणाली का मुख्य हिस्सा बन चुका है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब इन अधिकारियों और कर्मचारियों से उनके मूल दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रश्न कियेजाते हैं या जवाबदेही तय करने का प्रयास किया जाता है तो वे तुरंत अपने अधिकारों, विशेषाधिकारों और कर्मचारी यूनियनों की दुहाई देने लगते हैं। अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही और कामचोरी को छिपाने के लिए वे कामबंदी, हड़ताल या न्यायिक प्रक्रियाओं की शरण लेते हैं। कर्तव्यों को पूरी तरह नजरअंदाज कर केवल अधिकारों का यह शोर अब देश के विकास की गति को दशकों पीछे धकेल रहा है।

केंद्रीय मंत्री
अर्जुन राम मेघवाल



केरलम की जनता ने देश को महिला नीत विकास का मार्ग दिखाया है। उच्च न्यायालय अपनी स्थापना के 70 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है और यह सफर 'दिलचस्प' रहा है, क्योंकि इसने महिला सशक्तीकरण और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के सिद्धांत दिए हैं।

दलील से पहले फ़ॉन्ट सुधारिए

के विश्वदेव राव



मंथन

हम जो पढ़ते हैं, वह सिर्फ़ वही नहीं होता जो लिखा गया है। वह इससे भी तय होता है कि कैसे छपा है। यह बात अख़बारों ने सौ बरस पहले समझ ली थी। अब, उपलब्ध समाचारों के अनुसार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उसकी लखनऊ पीठ भी इसे अपने ढंग से स्वीकार कर रही हैं। यह आदेश इशारा करता है कि एक विशेष फॉन्ट में मुद्रित दलील कोई निर्दोष औज़ार नहीं, वह उस विश्वास का पहला दरवाज़ा है, जो कानूनी प्रक्रिया को रेखांकित करता है। फ़ाइलों के पहाड़ में धँसा न्यायाधीश हो या सुबह की चाय के साथ अख़बार पढ़ने वाला नागरिक, उसे पठनीय मसौदे से पहले कागज़ पर उकेरे अक्षरों को सुगमता से पढ़ने की सहूलियत चाहिये।

पहले ख़बर। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में शिव किंकर सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व 2 अन्य के मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद ने आदेश दिया कि 12 नवंबर 2026 से अंग्रेज़ी में दाख़िल हर याचिका, शपथ-पत्र, प्रति-शपथ-पत्र और अपील ''टाइम्स न्यू रोमन'' में, चौदह पॉइंट के आकार में और दोहरी पंक्ति-दूरी के साथ होंगी। मोटे अक्षर केवल संलग्नकों और सूची के लिए रहेंगे, तिरछे अक्षर केवल उद्धरण या अदालत और अधिनियम के नाम के लिए। प्रार्थना-खंड तिरछा हो ही नहीं सकेगा।

इस आदेश को घरेलू व्यवस्था की भाषा में लिखा गया है, यानी काग़ज़ चाहे भौतिक रूप में आए या इलेक्ट्रॉनिक, अभिलेख एक-सा दिखे। पर गौर करने की बात है कि अदालत का अपना पिछला निर्देश कुछ और था: आकार बारह, अक्षर ''एरियल'' फॉन्ट में। यानी यह आदेश अपनी ही पुरानी भूल का मौन स्वीकार भी है।अब सवाल यह है कि अदालत को यह बात इतनी देर से क्यों सूझी, और अख़बारों को पहले क्यों? शायद इसलिए कि अख़बार का पाठक नाराज़ हो तो पन्ना पलट देता है, जबकि अदालत में मजबूरी है कि हर अक्षर उसे पढ़ना ही पड़ेगा। जिससे वो भाग नहीं सकता, उसकी थकान का हिसाब कोई नहीं रखता।टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट की जड़ें अख़बार से ही उपजी हैं। 1932 में लंदन के ''द टाइम्स'' ने इसे दो इंच चौड़े संकरे स्तंभों और सस्ते, स्याही सोखने वाले न्यूज़प्रिंट के लिए अपनाया था। दो इंच में यह अक्षर चमकता है, छह इंच में बुझने लगता है। तंग गली के सिपाही को चौड़े क़ानूनी काग़ज़ के मैदान में उतारना वैसा ही है जैसे शहर के रिक्शे को राजपथ पर दौड़ा देना। इसी वजह से अमेरिका के सातवें सर्किट की मार्गदर्शिका के हवाले से कहा जाता है कि पेशेवर टाइपोग्राफ़र लंबे दस्तावेज़ों में इससे बचते हैं, और वहाँ का सर्वोच्च न्यायालय अपने नियमों में ''सेंचुरी'' परिवार के फॉन्ट माँगता है।

फिर हमारी अदालत उसी की ओर क्यों जा रही है जिससे वे लोग दूर जा चुके हैं?

क्योंकि यहाँ प्रश्न सुंदरता का नहीं, एकरूपता का है। यह फॉन्ट लगभग हर कंप्यूटर में पहले से मौजूद होता है, और जहाँ नहीं है, वहाँ मिलते-जुलते विकल्प चल जाते हैं। झाँसी की कचहरी में बना मसौदा और लखनऊ के किसी कॉरपोरेट दफ़्तर का मसौदा एक-सा दिखेगा। हज़ारों फ़ाइलें निपटाने वाली रजिस्ट्री के लिए यह सुविधा किसी भी अक्षर-सौंदर्य से भारी है। यह तर्क हल्का नहीं है, पर इसकी क़

सिख विरोधी दंगों को लेकर दिल्ली में भाजपा-सिख संगठनों का विरोध मार्च

वेब वार्ता। नई दिल्ली



1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने और उनके समर्थन में रविवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सिख संगठनों की ओर से विरोध मार्च निकाला जा रहा है। हरिनगर बस डिपो से निकाले गए मार्च में बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में विरोध मार्च में नेताओं ने राहुल गांधी से 1984 के दंगों के पीड़ितों से माफी मांगने की मांग की। इसमें केंद्रीय कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी और सांसद कमलजीत सहरावत सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। पदयात्रा के माध्यम से 1984 के दंगा पीड़ितों के प्रति एकजुटता और समर्थन प्रदर्शित किया गया।

इस मौके पर भाजपा नेता आरपी सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष की भूमिका विरोध करने से आगे बढ़कर बाधा डालने तक सीमित रह गई है।



चीनी एक सप्ताह में 62 रुपये महंगी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 62 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। चीनी के साथ चावल, गेहूं, अधिकतर दालों और खाद्य तेलों के दाम भी बढ़ गए।चीनी में लगातार चौथे सप्ताह तेजी रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 62 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 5,506 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। वहीं, गुड़ तीन रुपये सस्ता हुआ। खुदरा बाजार में भी चीनी में 58 पैसे प्रति किलोग्राम की औसत बढ़त रही और यह 59.18 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 70 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 4,377 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं की कीमत 29 रुपये बढ़कर 2,939 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। आटा भी 18 रुपये महंगा हुआ और 3,395 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 162 रुपये और चना दाल की 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंग दाल 34 रुपये और उड़द दाल 31 रुपये महंगी हुई। वहीं, मसूर दाल 33 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई।बीते सप्ताह सरसों तेल औसतन 233 रुपये और पाम ऑयल 51 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल में 39 रुपये और सोया तेल में 12 रुपये की तेजी रही। मूगफली तेल 11 रुपये चढ़ गया।

ममता का बदला-बदला अंदाज, कहा 'मेरी नेता सोनिया जी को मेरा नमस्ते'

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी का रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में उस समय अलग राजनीतिक अंदाज देखने को मिला, जब उन्होंने 'वोट चोरी' के खिलाफ 'इंडिया' गठबंधन की रैली में अपने भाषण की शुरुआत 'मेरी नेता सोनिया जी को मेरा नमस्ते' कहकर की और लंबे समय तक चिर प्रतिद्वंद्वी रही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एम ए बेबी के नाम का उल्लेख किया। उनका यह संबोधन विपक्षी गठबंधन के भीतर बदलते राजनीतिक समीकरणों और कांग्रेस नेतृत्व के प्रति उनके रुख में बदलाव का संकेत है। मंच पर ममता बनर्जी सोनिया गांधी के बगल में बैठी थीं और कई बार उनसे बात करती नजर आईं। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा, "मेरी नेता सोनिया जी को मेरा नमस्ते।" इसके बाद ममता ने जब राहुल गांधी के नाम का उल्लेख किया, तो उन्हें "लड़ाई लड़ रहे युवा नेता" बताया। इसके बाद, ममता ने मल्लिकार्जुन खरगे, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के साथ माकपा महासचिव एम ए बेबी का नाम भी लिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद ममता का कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व के प्रति पहले से अधिक उदार नजर आना राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। सोनिया और बेबी को लेकर उनका यह संबोधन इस बात का संकेत देता है कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में वह विपक्षी एकजुटता को प्राथमिकता देना चाहती हैं। ममता और कांग्रेस के संबंध हमेशा सहज नहीं रहे हैं। पश्चिम बंगाल में दोनों दलों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा रही है। तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में कांग्रेस के पारंपरिक राजनीतिक आधार को अपना बनाया और कई मौकों पर दोनों दलों के बीच तीखी बयानबाजी भी देखने को मिली।

अखिलेश का भाजपा पर तंज: जमीन नहीं बची तो 'अंगद का पैर' कहां रखेंगे

वेब वार्ता। नई दिल्ली

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग 'अंगद का पैर' कहने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि जब जमीन ही नहीं बची है तो पैर कहां रखेंगे।

दिल्ली के रामलीला मैदान में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन की 'वोट चोरी' के खिलाफ आयोजित रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि उन्हें खुशी है कि काशी की जनता ने 'डबल इंजन' की सरकार को 'डबल जीरो' दिया है। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम काटे जाने का मुद्दा उठाते हुए सपा प्रमुख ने कहा, "जब रामलीला मैदान में जनसभा होने जा रही थी तो उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि 1.27 लाख हिंदू भाइयों के वोट काट दिए गए हैं। यानी हर विधानसभा में 31 हजार वोट कम हुए हैं।" उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि हार का ठीकरा किसी और पर फोड़ने की कोशिश की जा रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान का हवाला देते हुए कटाक्ष किया, "जब नीचे जमीन नहीं बची है तो अंगद का पैर कहां रखेंगे।" शाह ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बीते 30 अक्टूबर को भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की स्थिति की तुलना रामायण के पात्र अंगद के पैर करते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश में भाजपा अंगद का पांव है, जिसे कोई हिला नहीं सकता। भाजपा फिर से सरकार बनाने जा रही है, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।"अखिलेश ने कहा, " उत्तर प्रदेश के जरिये सत्ता में आए लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, क्योंकि 'यूपी वाले' उन्हें करारा जवाब देकर विदाई देंगे।" अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां चुनाव लूटा गया और चुनाव से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराकर वोट डलवाए गए। उन्होंने कहा, "हम इंडिया गठबंधन के लोग रुकने वाले नहीं हैं। हम 2022 में सरकार नहीं बना पाए तो इसकी वजह यह चोरी है।" सपा प्रमुख ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग विश्वगुरु बनने की बात करते थे, वे मतदाता सूची में चोरी करते हैं। यादव ने कहा कि लोग लोकतंत्र को बचाने जा रहे हैं और इसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश से होगी। उन्होंने कहा, "रामलीला मैदान 'लोकतंत्र की हल्दीघाटी' बन गया है, नया इतिहास लिखा जा रहा है; 'परिवर्तन' कभी भी आ सकता है।"अखिलेश ने कहा, " अगली पीढ़ी उन पर बरसाई गई हर लाठी और दिए गए हर जख्म का

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा विकसित 'समीर' ऐप के अनुसार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 222 रहा।दिल्ली के 54 निगरानी केंद्रों में से 31 में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई जबकि तीन केंद्रों में यह 'बहुत खराब' श्रेणी में रही। जहांगीरपुरी में सबसे अधिक 345 एक्यूआई दर्ज किया गया जबकि पंजाबी बाग में यह 317 रहा।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार रविवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत से 1.9 डिग्री कम है।मौसम विभाग ने दिन में मुख्य रूप से आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है और अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

दिल्ली के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने बधाई दी

वेब वार्ता। नई दिल्ली



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली स्थापना दिवस पर लोगों को बधाई दीं और कहा कि उनकी सरकार ने शहर की पहचान को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है कि इसका भविष्य भी इसके शानदार अतीत के अनुरूप बेहतरीन हो।

गुप्ता ने कहा कि एक नवंबर 1956 को सदियों के इतिहास को समेटे इस शहर की यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ा था, जब दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया था। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, "दिल्ली की अपनी एक खुशबू है, अपना एक मिजाज है।इंद्रप्रस्थ की गौरवगाथा से आधुनिक भारत के स्वाभिमान तक, दिल्ली युगों की साक्षी है, इतिहास की धरोहर है और भविष्य की अनंत संभावनाओं का आंगन है।" उन्होंने कहा, "इसकी मिट्टी में सभ्यताओं की स्मृतियां हैं, यमुना की धार में युगों की कथाएं हैं। लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र का गौरव गूंजता है, तो कर्तव्य पथ पर स्वतंत्र भारत का आत्मविश्वास झलकता है। किसी का बचपन यहां बीता है, किसी के सपनों ने यहां पहली उड़ान भरी है। कोई पीढ़ियों से यहां बसा है, तो कोई दूर से आकर यहीं का हो गया।" उन्होंने कहा कि दिल्ली की यही खूबसूरती है कि यहां हर कोई बड़े प्यार और गर्व से कहता है, हम दिल्लीवाले हैं। उन्होंने कहा कि सदियों की कहानियां समेटे इस शहर की यात्रा में 1 नवंबर 1956 को एक नया अध्याय जुड़ा, जब दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला।उन्होंने कहा, "हमारा संकल्प है कि दिल्ली की सदियों पुरानी पहचान भी अक्षुण्ण रहे और उसका भविष्य भी भव्य बने। दिल्ली की वेब वार्ता। नई दिल्ली ।कास भी नई ऊंचाइयों को छुएगा। हर गली में खुशहाली, हर घर में आधुनिक सुविधाएं और हर नागरिक के जीवन में समृद्धि सुनिश्चित करेंगे। हम दिल्ली को उसके गौरवशाली अतीत के अनुरूप एक शानदार भविष्य देकर रहेंगे।इस दिवस की आप सभी दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।"

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 2.31 लाख करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली,। देश की आर्थिक गतिविधियों में मजबूती के बीच अक्टूबर 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार द्वारा रविवार को जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले वर्ष अक्टूबर 2025 में 1.88 लाख करोड़ रुपए था। रिफंड को समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक वर्ष पहले समान अवधि में 1.61 लाख करोड़ रुपए था। यह वृद्धि घरेलू आर्थिक गतिविधियों में तेजी और आयात से मिलने वाले कर राजस्व में उल्लेखनीय उछाल का संकेत देती है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू जीएसटी संग्रह अक्टूबर में 15.8 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपए हो गया। वहीं आयात से प्राप्त राजस्व में और भी तेज वृद्धि दर्ज की गई, जो 42.2 प्रतिशत बढ़कर 72,246 करोड़ रुपए पहुंच गया।घरेलू जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का 64,769 करोड रुपए रहा। दूसरी ओर आयात से प्राप्त आईजीएसटी संग्रह अ वेब वार्ता। नई दिल्ली बढ़कर इस वर्ष 72,246 करोड़ रुपए हो गया।चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 13.05 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में शुद्ध जीएसटी राजस्व 12.6 प्रतिशत बढ़कर 12.69 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले 11.27 लाख करोड़ रुपए था।

'वोट चोरी' के खिलाफ अभियान आजादी की दूसरी लड़ाई है : वाम नेता

नई दिल्ली। वाम दलों के नेताओं ने 'वोट चोरी' के खिलाफ अभियान को आजादी की दूसरी लड़ाई करार देते हुए रविवार को कहा कि देश को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के "फासीवाद" से बचाने के लिए संघर्ष तेज करना होगा और 'वोट चोरों' को सत्ता से बाहर करना होगा। दिल्ली के रामलीला मैदान में 'इंडिया' गठबंधन की रैली को संबोधित करते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एम ए बेबी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया।

विकास व कल्याण योजनाओं में और तेजी आने की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्र ने त्योहारों से पहले राज्य सरकारों को करों में उनके हिस्से के अग्रिम हस्तांतरण के रूप में अक्टूबर के अंत में 1,09,019 करोड़ रुपये जारी किए हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि आगामी त्योहारों को देखते हुए राज्यों को पूंजीगत खर्च में तेजी लाने तथा विकास एवं कल्याण से जुड़े व्यय के लिए धन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कर हस्तांतरण की यह अग्रिम राशि जारी की गयी है। यह राशि नियमित मासिक कर हस्तांतरण के अतिरिक्त है और चालू वित्त वर्ष में यह दूसरी अतिरिक्त किस्त है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि मजबूत आर्थिक गतिविधियों और कर संग्रह में हुई अच्छी बढ़ोतरी के कारण इस वित्तीय वर्ष में राज्यों को यह दूसरी अतिरिक्त किस्त जारी करना संभव हो पाया है। उन्होंने डिजिटल मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस राशि से राज्यों को बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने, कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए धन जुटाने और पूरे भारत में आर्थिक विकास को और गति देने में मदद मिलेगी।श्रीमती सीतारमण ने कहा कि यह राशि आगामी त्योहारों के मौसम को ध्यान में रखते हुए जारी की गई है। आंध्र प्रदेश 4597 करोड़ रुपये में, अरुणाचल प्रदेश 1476 करोड़ रुपये, असम 3552 करोड़ रुपये, झारखंड 3660 करोड़ रुपये, कर्नाटक 4504 करोड़ रुपये, केरल 2597 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश 8010 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र 7022 करोड़ रुपये, मणिपुर 682 करोड़ रुपये, मेघालय 688 करोड़ रुपये, मिजोरम 615 करोड़ रुपये, नगालैंड 524 करोड़ रुपये, ओडिशा 4819 करोड़ रुपये, पंजाब 2176 करोड़ रुपये, राजस्थान 6460 करोड़ रुपये, सिक्किम 365 करोड़ रुपये, तमिलनाडु 4466 करोड़ रुपये, तेलंगाना 2370 करोड़ रुपये, त्रिपुरा 699 करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश 19208 करोड़ रुपये, उत्तराखंड 1244 करोड़ रुपये और पश्चिम बंगाल 7866 करोड़ रुपये।

नवंबर की शुरुआत में महंगाई का झटका

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर, एटीएफ में भी बढ़ोत्तरी

एजेंसी। नई दिल्ली



नवंबर की शुरुआत के साथ ही कमर्शियल एलपीजी (एलपीजी) और विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। तेल विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 10 रुपए की बढ़ोतरी की है, जिसके बाद इसकी कीमत 2,810 रुपए से बढ़कर 2,820 रुपए हो गई है।यह लगातार दूसरा महीना है जब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 1 अक्टूबर को इसकी कीमत में 62.50 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी। वहीं सितंबर में भी 9.50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई थी।हालांकि इससे पहले जुलाई और अगस्त में कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में क्रमशः 183.50 रुपए और 192 रुपए की बड़ी कटौती की गई थी। इसके बावजूद फरवरी से जून के बीच कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कुल 1,373 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जिससे कीमत 1,740.50 रुपए से बढ़कर रिकॉर्ड 3,113.50 रुपए प्रति सिलेंडर तक पहुंच गई थी।संशोधित दरों के अनुसार, 5 किलोग्राम के फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर के नए कनेक्शन की कीमत 1,903 रुपए निर्धारित की गई है, जबकि इसके रिफिल की कीमत 782 रुपए रहेगी।घरेलू उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसकी कीमत 942 रुपए प्रति सिलेंडर पर बरकरार रखी गई है। इसी तरह मई में बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इसके साथ ही, विमानन क्षेत्र के लिए एक और झटका देते हुए एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई है। 1 नवंबर से एटीएफ की कीमत 1.37 रुपए प्रति लीटर बढ़कर 138.50 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जो पहले 137.12 रुपए प्रति लीटर थी।यह लगातार चौथा महीना है जब विमान ईंधन की कीमतों में वृद्धि की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और विमान ईंधन के मजबूत दामों के कारण यह बढ़ोतरी हुई है। चूंकि एयरलाइंस की कुल परिचालन लागत में एटीएफ की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक होती है, इसलिए इससे विमानन कंपनियों की लागत पर सीधा असर पड़ सकता है।

तेल कंपनियों के अनुसार, एलपीजी और एटीएफ की कीमतों का पुनरीक्षण हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों और रुपए-डॉलर विनिमय दर के आधार पर किया जाता है। राज्यों में वैट और अन्य स्थानीय करों के कारण वास्तविक कीमतों में कुछ अंतर हो सकता है।

24 मिनट में 108 सूर्य नमस्कार का दावा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रविवार को यहां एक कार्यक्रम में 24 मिनट 20 सेकंड में 108 सूर्य नमस्कार कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने का दावा किया गया।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा नवयोग सूर्योदय सेवा समिति के अंतर्गत फिट इंडिया मूवमेंट द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'संडे ऑन साइकिल' के अवसर पर योग गुरु डॉ. नवदीप जोशी ने 24 मिनट 20 सेकंड में 108 सूर्य नमस्कार पूरे किए। यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

उनकी इस उपलब्धि को एशिया बुक आफ रिकाड्र्स एवं योगासन बुक आफ रिकाड्र्स में दर्ज करने का भी दावा किया गया है।

दिल्ली में 20 रुपये के नकली सिक्के बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नकली सिक्के बनाने और उनकी आपूर्ति करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर कथित सरगना समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब एक लाख रुपये मूल्य के 20 रुपये के नकली सिक्के बरामद किए हैं। अपराध शाखा को एक गुप्त सूचना मिली कि आठ सितंबर को एक व्यक्ति मुंडका औद्योगिक क्षेत्र मेट्रो स्टेशन के पास नकली सिक्के पहुंचाने वाला है, जिसके बाद उसने एक अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि एक पुलिस टीम ने पारस जैन (45) द्वारा चलाई जा रही कार को रोका और पिछली सीट पर रखे एक बैग से 50 पॉलीथीन पाउच में रखे गए 20 रुपये के 5,000 नकली सिक्के बरामद किए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ₹इन सिक्कों का कुल अंकित मूल्य एक लाख रुपये था। पुलिस ने एक आईफोन, लैपटॉप का बैग और कथित तौर पर सिक्कों की खेप पहुंचाने के लिए इस्तेमाल की गई कार भी जब्त कर ली। पूछताछ के दौरान, जैन ने बताया कि उसने ये नकली सिक्के उपकार लूथरा उर्फ अभय प्रताप सिंह (58) से लिए थे। आरोप है कि उपकार लूथरा ने एक लाख रुपये अंकित मूल्य वाले इन सिक्कों को बाजार में खपाने के लिए लगभग 70,000 रुपये में उपलब्ध कराया था। पुलिस के अनुसार, जांच में पता चला कि जैन की गिरफ्तारी के बाद लूथरा हरियाणा के सोनीपत से नकली सिक्के बनाने वाली अपनी इकाई उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थानांतरित कर रहा था। अधिकारी ने बताया, ₹इकाई के सामान को स्थानांतरित करते समय लूथरा और उसके सहयोगियों को सहारनपुर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने पकड़ लिया। पेशी वारंट हासिल करने के बाद पांच आरोपियों को सहारनपुर जेल से दिल्ली लाया गया और अदालत में पेश किया गया। पूछताछ के बाद लूथरा, अनुराग पाल उर्फ लकेश और जनार्दन कुमार चौरसिया उर्फ संतोष को इस मामले में औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया।

'आदर्श ग्राम' के तहत केवल 1.74 लाख कार्यों की पहचान

एजेंसी। नई दिल्ली

'प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना' (पीएम-अजय) के 'आदर्श ग्राम' घटक के तहत गत चार साल में 22 राज्यों के 13,959 गांवों में कुल 1.74 लाख विकास कार्यों की पहचान की गई और अब तक इनमें से 43,802 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत किये गए आवेदन में यह जानकारी दी गई है।

पीएम-अजय एक केंद्र-प्रायोजित योजना है, जिसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा देश भर में अनुसूचित जाति समुदायों के एकीकृत सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए लागू किया गया है।'आदर्श ग्राम' घटक का उद्देश्य अनुसूचित जाति बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे और आवश्यक सेवाओं की कमियों को दूर कर उनके विकास को मुख्यधारा से जोड़ना है। जिन गांवों में अनुसूचित जाति की आबादी 40 प्रतिशत से अधिक है और कुल जनसंख्या 500 या उससे अधिक है, वे इस योजना के तहत चयन के लिए पात्र हैं।सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश 41,949 कार्यों की सर्वाधिक संख्या के साथ सबसे आगे रहा। इनमें से 2,282 कार्य पूरे हो चुके हैं, जो 5.5 प्रतिशत की औसत पूर्णता दर को दर्शाता है।आरटीआई आवेदन के तहत मुहैया कराए गए आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के बाद तमिलनाडु का स्थान रहा, जहां 33,881 कार्यों की पहचान की गई थी, जिनमें से 6,856 कार्य पूरे हो चुके हैं; वहीं मध्य प्रदेश में 19,924 कार्यों की पहचान की गई थी, जिनमें से 6,034 कार्य पूरे हुए। इनके कार्य पूरे होने की औसत दर क्रमशः 20.6 प्रतिशत और 34.8 प्रतिशत रही।आंकड़ों के मुताबिक पीएम-अजय योजना के तहत ओडिशा में 18,110 कार्यों की पहचान की गई, जिनमें से 8,642 पूरे हो चुके हैं जबकि कर्नाटक में 15,706 कार्यों की पहचान की गई और 6,901 कार्य पूरे हो चुके हैं। राजस्थान में 7,131 विकास कार्यों की पहचान की गई, जिनमें से 3,756 पूरे हो चुके हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में 8,953 कार्यों की पहचान की गई और 3,403 कार्य पूरे किए गए।मुहैया कराई गई जानकारी के मुताबिक पीएम-अजय के तहत आंध्र प्रदेश में 5,375 कार्यों की पहचान की गई थी, जिनमें से 384 पूरे हो चुके हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में स्वीकृत 7,354 कार्यों में से 1,950 कार्यों के पूरा होने की बात बताई गई।

महाराष्ट्र में 3,089 कार्यों की पहचान की गई और 873 कार्य पूरे किए गए, जबकि असम में 2,821 कार्यों की पहचान की गई और 893 कार्य पूरे किए गए। आरटीआई आवेदन के जवाब में दी गई जानकारी के मुताबिक जम्मू और कश्मीर में 2,066 कार्यों की पहचान की गई, जिनमें से 160 पूरे हो चुके हैं। पंजाब में 1,178 कार्यों की पहचान की गई और 113 पूरे हुए, जबकि झारखंड में 175 कार्यों की पहचान की गई, लेकिन एक भी कार्य पूरा नहीं हुआ। आरटीआई के जवाब में उन गांवों का विवरण भी दिया गया, जिन्हें 'आदर्श ग्राम' घटक के तहत चुना गया था और जिन्हें बाद में 'आदर्श ग्राम' घोषित किया गया। किसी गांव को 'आदर्श ग्राम' तब घोषित किया जा सकता है, जब वह विकास के निर्धारित पैमानों पर 100 में से कम से कम 70 अंक प्राप्त कर ले और 'खुले में शौच मुक्त' का दर्जा हासिल कर ले। वित्तीय वर्ष 2022-23 में इस योजना के तहत 11,332 गांवों का चयन किया गया था, जबकि 2023-24 और 2024-25 में कोई नया चयन नहीं हुआ। 2025-26 में 17,451 गांवों का चयन किया गया, जिससे चयनित गांवों की कुल संख्या 28,783 हो गई।आरटीआई जवाब के मुताबिक 2025-26 में चुने गए गांवों की सबसे अधिक संख्या पश्चिम बंगाल से रही, जहां 8,044 गांवों का चयन किया गया। इसके बाद बिहार में 2,884 और उत्तर प्रदेश में 2,093 गांवों का चयन हुआ। मध्य प्रदेश में 755, राजस्थान में 547, ओडिशा में 497, पंजाब में 470 और कर्नाटक में 463 गांवों का चयन किया गया।

2017 से पहले तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने को विवश थी अयोध्याः योगी

❖ सीएम योगी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रस्तुत की अयोध्या की प्राचीन व नवीन तस्वीर



वेब वार्ता। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रदेशवासियों को अयोध्या की प्राचीन व नवीन तस्वीर से अवगत कराया। उन्होंने अयोध्या को लेकर पूर्ववर्ती सरकार को आईना दिखाया तो अपनी सरकार में किए गए कार्यों का उल्लेख भी किया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अयोध्या सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है, किंतु वर्ष 2017 से पहले यह दिव्य नगरी उपेक्षा, अव्यवस्था और तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने के लिए विवश थी। श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर और स्थानीय परिवारों की संभावनाएं सीमित थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या जी की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है।

भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से लेकर रामपथ, धर्मपथ, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आधुनिक रेलवे स्टेशन तक, हर निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधा एवं राम नगरी के गौरव से जुड़ा है। इस परिवर्तन का प्रकाश अयोध्या वासियों के घर-आंगन तक पहुंच रहा है। बढ़ता पर्यटन व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी विकास की प्रतीक्षा करती अयोध्या आज अपनी विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है। असंख्य सनातनियों की आस्था, अस्मिता और आराधना का यह केंद्र आज 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक चेतना और समृद्धि का उज्ज्वल प्रतीक बन गया है।

वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट थापा के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताया शोक

लखनऊ। यूपी विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट आरबी थापा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। महाना ने कहा कि आरबी थापा का निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने कैमरे के माध्यम से न केवल घटनाओं को दर्ज किया, बल्कि अपने समय, समाज और बदलते दौर की महत्वपूर्ण तस्वीरों को इतिहास का हिस्सा बनाया। उनकी तस्वीरों में समाचार के साथ संवेदना, दृष्टि और मानवीय सरोकार भी दिखाई देते थे। महाना ने कहा कि एक कुशल फोटो पत्रकार का जाना केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं होता, बल्कि कैमरे की वह संवेदनशील दृष्टि भी हमसे विदा हो जाती है, जो समय को तस्वीरों में सहेजकर आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़ जाती है।

बेस्ट चीफ मिनिस्टर श्रेणी में शीर्ष पर रहे यूपी के मुख्यमंत्री

फेम इंडिया-एशिया पोस्ट सर्वे 2026 में योगी आदित्यनाथ देश के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री, 897 अंकों के साथ नंबर वन

वेब वार्ता। लखनऊ

फेम इंडिया मैगजीन और एशिया पोस्ट के संयुक्त 'बेस्ट चीफ मिनिस्टर सर्वे 2026' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशभर में पहला स्थान हासिल कर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी को 1000 में से सर्वाधिक 897 अंक मिले हैं। सर्वे में मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व, प्रशासनिक क्षमता, कार्यशैली, जनस्वीकार्यता और शासन के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन किया गया। सर्वे में कुल 15 मुख्यमंत्रियों को शामिल किया गया है। इनमें शीर्ष दस को 'बेस्ट चीफ मिनिस्टर' और 11वें से 15वें स्थान तक के मुख्यमंत्रियों को विशेष 'मुख्यमंत्री पंचरत्न' श्रेणी में स्थान दिया गया है। फेम इंडिया मैगजीन का 'बेस्ट चीफ मिनिस्टर सर्वे 2026' एशिया पोस्ट के सहयोग से करीब तीन से चार महीने तक संचालित किया गया। इसमें मुख्यमंत्रियों के प्रति आम जनता की धारणा, प्रबुद्ध वर्ग की राय और आम नागरिकों के अनुभवों को समझने के लिए तीन स्तरीय सर्वे प्रक्रिया अपनाई गई। पहले चरण में सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया के विभिन्न मंचों पर मुख्यमंत्रियों से संबंधित प्रतिक्रियाओं, चर्चाओं, समाचारों और जनधारणाओं का अध्ययन किया गया। दूसरे चरण में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों, बुद्धिजीवियों और विशिष्ट व्यक्तियों की राय एवं आकलन को शामिल किया गया। तीसरे चरण में आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनके विचार, अनुभव और दृष्टिकोण जाने गए। इन तीनों चरणों से प्राप्त सूचनाओं और प्रतिक्रियाओं के विश्लेषण के बाद मुख्यमंत्रियों का दस निर्धारित मानकों पर मूल्यांकन किया गया। सभी मानकों पर प्राप्त अंकों को जोड़कर 1000 अंकों के पैमाने पर अंतिम रैंकिंग तैयार की गई।

दस प्रमुख मानकों पर हुआ मूल्यांकनः सर्वे में मुख्यमंत्रियों के प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को परखने के लिए दस प्रमुख मानक निर्धारित किए गए थे। इनमें सुशासन, कानून-व्यवस्था, व्यक्तित्व, छवि, कार्यक्षमता, प्रभाव, विभागों की समझ, लोकप्रियता, दूरदर्शिता तथा कार्यशैली और परिणाम शामिल हैं। सुशासन के तहत पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसेवा की गुणवत्ता को परखा गया। कानून-व्यवस्था के अंतर्गत नागरिकों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और कानून के शासन को महत्व दिया गया। वहीं, व्यक्तित्व एवं छवि में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता और जनता के बीच विश्वसनीयता का आकलन किया गया। इसके अलावा प्रशासनिक दक्षता, नीतियों का प्रभाव, विभागीय कार्यप्रणाली की समझ, जनसमर्थन, भविष्य की योजनाओं और शासन के दौरान हासिल किए गए ठोस परिणामों को भी मूल्यांकन का आधार बनाया गया। इस सर्वे में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 881 अंकों के साथ दूसरे और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा 874 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

एमएलसी नतीजों से साफ हुआ सियासी संदेश

❖ अनुशासित 'कैडर' का दिखा दम, 2027 के लिए मजबूत हुई बीजेपी की राह



वेब वार्ता। लखनऊ

यूपी विधान परिषद चुनाव 2026 के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि तमाम राजनीतिक सरगर्मी और कड़े मुकाबलों के बीच भारतीय जनता पार्टी का सांगठनिक अनुशासन और कैडर बेस किस तरह प्रभावी साबित होता है। इस चुनाव को यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व और सांगठनिक कौशल की एक बड़ी परीक्षा के रूप में देखा जा रहा था, जिसमें पार्टी ने कुल 11 सीटों में से बहुसंख्यक सीटों पर जीत हासिल करते हुए मजबूत बढ़त बनाई है। यद्यपि कुछ सीटों पर, विशेषकर वाराणसी में, समाजवादी पार्टी से कड़ी टक्कर देखने को मिली और वहां हार का सामना भी करना पड़ा, लेकिन कुल परिदृश्य में बीजेपी ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखी है। विधान परिषद की ये 11 सीटें मुख्यतः शिक्षक और स्नातक क्षेत्रों से जुड़ी थीं, जहां मतदाता बेहद जागरूक और शिक्षित वर्ग से आते हैं। ऐसे में केवल चुनावी नारे नहीं, बल्कि बूथ स्तर का नेटवर्क और व्यक्तिगत संपर्क काम आता है। संगठन के निचले स्तर से लेकर राज्य नेतृत्व तक बेहतर तालमेल स्थापित किया गया। मतदाता पंजीकरण से लेकर मतदान के दिन तक हर चरण की निरंतर समीक्षा की गई। कार्यकर्ताओं को एकजुट रखकर प्रत्याशी और पार्टी के मूल लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखा गया। हालांकि वाराणसी समेत कुछ सीटों पर समाजवादी पार्टी के साथ कड़ा मुकाबला रहा, लेकिन 11 में से 6 सीटें जीतकर भाजपा ने यह साफ संदेश दिया है कि उसका संगठनात्मक ढांचा बेहद मजबूत है। समाज के प्रबुद्ध और शिक्षित वर्ग द्वारा भाजपा के पक्ष में दिया गया यह जनादेश 2027 के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की मजबूत किलेबंदी और विजय अभियान को गति प्रदान करता है।

विपक्ष चाहे जितना जोर लगा ले, मोदी कहीं नहीं जायेंगे

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर निशाना साधते हुए कहा कि चाहे जितना जोर लगा लो, मोदी कहीं नहीं जाएंगे। चौधरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'काश, 'इंडिया' गठबंधन के भ्रमित नेताओं को अच्छे सलाहकार मिल जाते तो आज देश का मस्तक और ऊंचा होता। संवैधानिक संस्थाओं को नीचा दिखाकर ऊपर नहीं उठा जा सकता।'

दीपोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने अयोध्या पहुंच रहे सीएम योगी

वेब वार्ता। लखनऊ/अयोध्या

❖ सोमवार दोपहर 12 बजे तक अयोध्या पहुंचेंगे, पहले करेंगे दर्शन पूजन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अयोध्या का दौरा करेंगे। वह दीपोत्सव-2026 की तैयारियों का ग्राउंड जीरो पर जायजा लेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन करेंगे। साथ ही साकेत महाविद्यालय, राम की पैड़ी, राम कथा पार्क और सरयू आरती स्थल का निरीक्षण भी करेंगे।

इसके अलावा वह अधिकारियों के साथ दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा करेंगे। दीपोत्सव के मुख्य अतिथियों और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उच्च अधिकारियों के साथ बैठक भी प्रस्तावित है। सीएम योगी के दोपहर 12 बजे तक पहुंचने का अनुमान है। सीएम के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कार्यक्रम स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया है। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों में हुई बारिश से तैयारियों पर थोड़ा प्रभाव पड़ा था, लेकिन पहले से चल रही तैयारियों के कारण कोई बड़ी समस्या नहीं आई है। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समय से चल रही हैं। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान यदि कोई कमी सामने आती है तो उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाएगा। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि दीपोत्सव क्षेत्र को जोन और सेक्टर में बांटकर तैयारियों की निगरानी की जा रही है। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए इंटर-डिस्ट्रिक्ट और इंट्रा-डिस्ट्रिक्ट डायवर्जन प्लान तैयार किया गया है। पूरे आयोजन क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा। येलो जोन कंट्रोल रूम के साथ इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी बनाया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए जनपदीय पुलिस के अलावा रेंज, जोन और पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त बल उपलब्ध कराया गया है।

सीएम आज देंगे गोंडा को 520 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार (2 नवंबर) को गोंडा जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान सीएम योगी मनकापुर और गौरा विधानसभा क्षेत्रों के लिए 520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कुल 69 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन विकास खंड छपिया की ग्राम पंचायत तेजपुर में होगा। इस अवसर पर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और चेक भी वितरित किए जाएंगे। गोंडा की मनकापुर विधानसभा क्षेत्र में 94 करोड़ रुपये की लागत से 9 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 160 करोड़ रुपये से अधिक की 20 परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। वहीं गौरा विधानसभा क्षेत्र में 53 करोड़ रुपये से अधिक की 19 परियोजनाओं का लोकार्पण और 213 करोड़ रुपये से अधिक की 21 परियोजनाओं का शिलान्यास होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह, एमएलसी अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, विधायक रमापति शास्त्री, प्रभात कुमार वर्मा, विनय कुमार द्विवेदी, प्रतीक भूषण सिंह, प्रेम नारायण पाण्डेय, बावन सिंह और अजय सिंह, प्रशासक, जिला पंचायत घनश्याम मिश्र सहित कई गणमान्य मौजूद रहेंगे।

दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने में भटकना न पड़े, सम्मानपूर्वक मिले सुविधाः केशव



वेब वार्ता। लखनऊ/ प्रयागराज

❖ दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को मंच प्रदान करना सराहनीय कार्य, समस्याओं का होगा प्राथमिकता पर समाधान

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रविवार प्रयागराज के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र परिसर में आयोजित दिव्यांग समागम एवं संस्कृति महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और स्वाभिमान की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजन समाज पर बोझ नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक जिम्मेदारी हैं। दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को निखारने, उन्हें शिक्षित करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए सक्षम संस्था एवं शिक्षकों द्वारा किया जा रहा कार्य अत्यंत सराहनीय है। समाज के सभी वर्गों को ऐसे पुनीत कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करनी चाहिए तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दिव्यांगजनों को सम्मान और गरिमा प्रदान करने के उद्देश्य से उन्हें 'विकलांग' के स्थान पर 'दिव्यांग' कहकर संबोधित करने की पहल की। दिव्यांगजनों में भी अद्भुत प्रतिभा और क्षमताएं होती हैं। आवश्यकता है कि उनकी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जाएं। उन्होंने दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों ने मंच पर जिस आत्मविश्वास और उत्कृष्टता के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वह प्रशंसनीय है। उनके शिक्षकों द्वारा बच्चों को अभिनय के माध्यम से सिखाने और तैयार करने का कार्य भी अत्यंत प्रेरणादायक है। दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना उनके आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मौर्य ने कहा कि दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार की व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सक्षम संस्था एवं दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे संगठनों से अपेक्षा है कि वे इन समस्याओं को लिखित रूप में उपलब्ध कराएं।

ग्रामीण परिवारों को मिल रहा आर्थिक सुरक्षा कवच

वेब वार्ता। लखनऊ

❖ जोखिम निवारण निधि से 36,330 ग्राम संगठनों को अब तक 415 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी

ग्रामीण क्षेत्रों में किसी परिवार पर अचानक आर्थिक संकट आने की स्थिति में उसकी मदद के लिए योगी सरकार की ओर से महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से संचालित जोखिम निवारण निधि जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों के लिए संकट के समय आर्थिक सहारा बन रही है।

सरकार के विगत वर्षों के प्रयासों से अब तक 36,330 ग्राम संगठनों को 415 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि इस निधि के रूप में उपलब्ध कराई गई है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि जोखिम निवारण निधि की व्यवस्था ग्रामीण परिवारों को आपात परिस्थितियों में बड़ी सहूलियत प्रदान करती है। इसका उद्देश्य ऐसी आकस्मिक आपदाओं और घटनाओं से प्रभावित स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ ही पंचायत स्तर पर निवास करने वाले गैर समूह सदस्यों को भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। ग्राम संगठनों के माध्यम से संचालित यह व्यवस्था जरूरत के समय स्थानीय स्तर पर ही सहायता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जोखिम निवारण निधि का उपयोग खाद्य असुरक्षा, अचानक बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के साथ प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न संकट की स्थिति में किया जाता है। आगजनी, बाढ़, बिजली गिरने, सूखा पड़ने और दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में प्रभावित परिवार इस व्यवस्था के तहत सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसका विशेष लाभ एकल महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजन, प्रवासी व्यक्तियों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को मिलता है।

मिशन के अंतर्गत ग्राम संगठनों को एक बार डेढ़ लाख रुपये की जोखिम निवारण निधि उपलब्ध कराने का प्रावधान है। यह राशि कॉरपस फंड के रूप में ग्राम संगठन के पास रहती है, जिसका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर पात्र परिवारों की मदद के लिए किया जाता है। सहायता राशि ग्राम संगठन के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है, जिससे जरूरतमंदों को स्थानीय स्तर पर ही आर्थिक सहयोग मिल सके। निधि के तहत किसी समूह सदस्य को 5,000 रुपये तक सहायता दी जा सकती है। गैर समूह सदस्यों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के उद्देश्य से भी इस निधि का इस्तेमाल किया जाता है। विशेष परिस्थितियों में ग्राम संगठन के पदाधिकारियों की सहमति से सहायता राशि अनुदान के रूप में भी दी जा सकती है। योगी सरकार की इस पहल में महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्राम संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। गांवों में गठित ये संगठन जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर संकट की घड़ी में उन्हें आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने का माध्यम बन रहे हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक सहयोग की भावना मजबूत होने के साथ ही परिवारों को आकस्मिक आर्थिक झटकों से उबरने में मदद मिल रही है। ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों को संस्थागत ऋण से भी जोड़ा जा रहा है। मिशन के प्रारंभ से अब तक पौने दस लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को कुल 11,378 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया जा चुका है। इससे ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के साधन विकसित करने, स्वरोजगार अपनाने और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करने का अवसर मिल रहा है।

विधिक सहायता व सेवा शिविरः 25.14 लाख नागरिक हुए लाभान्वित

❖ राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रदेशव्यापी अभियान



वेब वार्ता। लखनऊ

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश व राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति सूर्यकान्त तथा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश व नालसा के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति विक्रमनाथ के संरक्षण में, साथ ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश व यूपी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति अरूण भंसाली एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरिन्दम सिन्हा के कुशल मार्गदर्शन में रविवार को प्रदेश के 74 जनपदों में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविरों का भव्य व सफल आयोजन किया गया। आगामी 9 नवंबर को मनाए जाने वाले 'राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष प्रदेशव्यापी अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से कुल 25,14,466 पात्र व्यक्तियों को विधिक सहायता और शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में समस्त जनपदों में आयोजित इन शिविरों में समाज कल्याण, महिला कल्याण, पंचायती राज, मत्स्य, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, आवास, जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), विद्युत, मंडी परिषद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पुलिस व यातायात विभाग तथा स्वयंसेवी संस्थाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शिविर से पूर्व आयोजित प्री-कैम्पों के माध्यम से समाज के निर्बल एवं वंचित वर्गों, दिव्यांगों, बच्चों, महिलाओं, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों को चिन्हित किया गया था। इसके उपरांत मुख्य शिविर में इन सभी पात्र लाभार्थियों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ एक ही छत के नीचे सुलभ कराया गया। शिविरों के दौरान आम नागरिकों को केवल योजनाओं का लाभ ही नहीं दिया गया, बल्कि उन्हें उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के प्रति भी जागरूक किया गया।

दीपोत्सव का दशकः एक लाख दीपों से जगमगाएगा श्रीराम जन्मभूमि परिसर

पांच जोन में बांटकर की जा रही भव्य आयोजन की तैयारी, एक हजार कार्यकर्ता संभालेंगे दीप प्रज्ज्वलन की जिम्मेदारी

❖ सुरक्षा बलों का भी मिलेगा सहयोग, अगले पांच दिनों में तैयारियों को दिया जाएगा अंतिम रूप



वेब वार्ता। लखनऊ/अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव के एक दशक का सफर इस वर्ष भव्यता और दिव्यता के नए अध्याय के साथ आगे बढ़ने जा रहा है। योगी सरकार के संकल्प के अनुरूप अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई देने वाले इस आयोजन में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र परिसर एक लाख दीपों की रोशनी से जगमगाएगा। दीप प्रज्ज्वलन के लिए मंदिर परिसर में लगभग एक हजार कार्यकर्ता सेवा देंगे। इसके लिए पूरे परिसर को पांच जोन में बांटकर प्रत्येक जोन के प्रभारी और उनकी टीम की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। आगामी पांच दिनों में इस कार्ययोजना को धरातल पर उतारने की तैयारियां पूरी की जाएंगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से मिली जानकारी के अनुसार, यात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) के सभागार में शनिवार को हुई बैठक में दीपोत्सव की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं का दायित्व संभाल रहे प्रमुख कार्यकर्ता शामिल हुए। ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र (सेवानिवृत्त), सचिव जगदीश आफले और श्री जगन्नाथ गुलवे ने पूरी कार्ययोजना विस्तार से समझाई। श्रीरामलला विराजमान मंदिर का विशेष अलंकरण किया गया है। अब अगले पांच दिनों में परिसर के अन्य हिस्सों के अलंकरण और दीप प्रज्ज्वलन की तैयारियों को भी आगे बढ़ाया जाएगा।

पांच जोन में बंटी दीप प्रज्ज्वलन की जिम्मेदारीः दीपोत्सव के भव्य आयोजन को व्यवस्थित रूप देने के लिए श्रीराम जन्मभूमि परिसर को पांच जोन में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में दीप प्रज्ज्वलन की जिम्मेदारी अलग-अलग टीमों को सौंपी गई है।

जोन-1 : श्रीरामलला मंदिर

इस जोन की जिम्मेदारी अर्चक प्रमुख आचार्य केशव जी को सौंपी गई है। मंदिर प्रांगण, परकोटा, ग्रीन हाउस और यज्ञशाला क्षेत्र समेत 30 हजार से अधिक दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

जोन-2 : कुबेर टीला एवं सप्तमण्डप

कुबेर टीला, सप्तमण्डप, शेषावतार मंदिर, हुतात्मा स्मारक और पंचवटी सहित अन्य स्थान इस जोन में शामिल हैं। यहां दीप प्रज्ज्वलन का दायित्व चन्द्रन क्षितिज और उनकी टीम को सौंपा गया है। इस जोन में भी 30 हजार से अधिक दीप जलाए जाएंगे।

जोन-3 : वापसी दर्शन मार्ग एवं पीएफसी

वापसी दर्शन मार्ग, यात्री सुविधा केंद्र, पीएफसी प्लाजा और नल टीला इस जोन का हिस्सा होंगे। पीपी मिश्रा के नेतृत्व में यहां 14 हजार से अधिक दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

जोन-4 : यात्री सेवा केंद्र एवं अंगद टीला

इस जोन की जिम्मेदारी कैप्टन जे.पी. द्विवेदी (सेवानिवृत्त) और उनकी टीम को दी गई है। यात्री सेवा केंद्र, अंगद टीला, सीता रसोई और रामानंदाचार्य द्वार सहित अन्य स्थानों पर 13 हजार से अधिक दीप जलाए जाएंगे।

जोन-5 : श्रीरामजन्मभूमि पथ एवं दर्शन मार्ग

श्रीरामजन्मभूमि पथ, दर्शन मार्ग, सिंह द्वार और चरण पादुका इस जोन में शामिल हैं। नरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में यहां 13 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इस टीम को उत्तर प्रदेश पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का भी सहयोग मिलेगा।

दीपावली पर समूहों के बनाए दियों से जगमगाएंगे गांव, शहर



लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीण महिलाओं के आजीविका संवर्धन के बहुत ही सफल व प्रभावीप्रयास किए जा रहे हैं। महिला स्वावलंबन व सशक्तिकरण की दिशा में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा बहुत ही कारगर कदम उठाये गये हैं। लखपति दीदी के लक्ष्यों की ओर निरन्तर अग्रसर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन उत्तर प्रदेश मेंत्यौहारों के दृष्टिगत नये कलेवर में काम कर रहा है। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित हो रहे स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर बनाए गये उत्पादों को लेकर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एक अलग तरह की रौनक दिख रही है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरूण कुमार ने बताया कि हजारों समूह सदस्यों द्वारा बाजार की मांग के अनुसार डिजाइनर दिए एवं मोमबत्तियों के साथ त्योहार से संबंधित विभिन्न तरह के उत्पाद तैयार किये गये हैं।

जेल से निकलते ही आजम खान गिरफ्तार

❖ ईडी ने दिल्ली मुख्यालय में रातभर की पूछताछ, जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े धनशोधन मामले में कार्रवाई



वेब वार्ता। गाजियाबाद

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। करीब 11 महीने बाद रामपुर जिला जेल से रिहा होने के कुछ ही देर बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। शनिवार शाम जेल से बाहर निकलते ही ईडी की टीम ने उन्हें हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित मुख्यालय ले गई। जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े कथित धनशोधन मामले में उनसे रातभर पूछताछ की गई। रविवार को उन्हें गाजियाबाद स्थित विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में पेश किए जाने की संभावना के मद्देनजर न्यायालय परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

जेल के मुख्य द्वार पर ही ईडी ने किया गिरफ्तार: जानकारी के अनुसार, आजम खान शनिवार शाम करीब 7:15 बजे अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ रामपुर जिला जेल से बाहर आए थे। वह करीब 11 महीने बाद जेल से रिहा हुए थे। हालांकि, जेल के मुख्य द्वार पर पहले से मौजूद ईडी अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान ईडी अधिकारियों और आजम खान के वकीलों के बीच काफी देर तक बहस हुई।

बताया गया कि अधिकारियों ने जेल के बाहर ही उनसे पूछताछ की और इसके बाद अपने वाहन से दिल्ली ले गए। इस दौरान आजम खान ने आसमान की ओर हाथ उठाकर इशारा करते हुए कहा कि अल्लाह सब देख रहा है।

गौरतलब है कि 29 अक्टूबर को उच्च न्यायालय ने दो पैन कार्ड मामले में आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की 10 साल की सजा निलंबित कर दी थी। इसी आदेश के बाद उनकी जेल से रिहाई का रास्ता साफ हुआ था।

ईडी की कार्रवाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय और उससे जुड़े जौहर ट्रस्ट की कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच से संबंधित है। जांच एजेंसी आरोपों की पड़ताल कर रही है कि सरकारी निर्माण कार्यों से जुड़ी धनराशि और सामग्री का इस्तेमाल विश्वविद्यालय के निर्माण में किया गया।

ईडी के अनुसार, रामपुर के अजीमनगर थाने में दर्ज 26 प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन की जांच शुरू की गई थी। एजेंसी ने अपनी जांच में विश्वविद्यालय परिसर की 59 इमारतों और 114 बैनामों के माध्यम से खरीदी गई जमीन का मूल्य करीब 499.09 करोड़ रुपये आंका है।

जांच एजेंसी का दावा है कि इनमें से वैध स्रोतों से करीब 72.63 करोड़ रुपये का हिसाब मिला, जबकि शेष 426.46 करोड़ रुपये को कथित अपराध की कमाई माना गया है। इसी आधार पर 28 अक्टूबर को ईडी ने विश्वविद्यालय की जमीन और इमारतों से संबंधित करीब 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की थी।

आजम खान की गिरफ्तारी पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय से राहत मिलने के बाद जेल से बाहर आते ही ईडी ने आजम खान को गिरफ्तार कर लिया। संजय सिंह ने इसे तानाशाही बताते हुए कहा कि आजम खान के मामले में अत्याचार की सारी सीमाएं पार हो गई हैं।

उन्होंने कहा, "गजब की गुंडागर्दी है। उच्च न्यायालय से मिली जमानत की कोई अहमियत नहीं है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है।

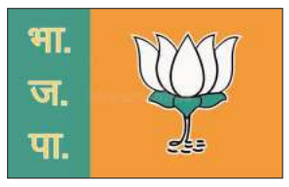
यूपी चुनाव 2027 को लेकर भाजपा ने कसी कमर

ग्रेटर नोएडा मंडल बैठक में बनी रणनीति

वेब वार्ता। ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर दिया है। इसी सिलसिले में रविवार के दिन स्वर्ण नगरी में बने भाजपा के ग्रेटर नोएडा मंडल कार्यालय के अंदर नवंबर महीने की मासिक संगठनात्मक बैठक रखी गई। इस बैठक के दौरान बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रियता को और अधिक बढ़ाने तथा आगामी चुनाव की रणनीति तैयार करने पर विस्तार से बातचीत की गई।

आयोजित की गई इस संगठनात्मक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा पहुंचे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर दादरी विधानसभा प्रभारी गोपाल अग्रवाल और जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी भी उपस्थित रहे।



वहीं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी ने संभाली। बैठक के दौरान सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच संपर्क बढ़ाने पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने वहां मौजूद सभी बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों, मंडल के पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से अपनी-अपनी संगठनात्मक जिम्मेदारियों के प्रति सतर्क रहने को कहा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों का बिगुल बज चुका है। ऐसे में हर एक कार्यकर्ता को अभी से अपना लक्ष्य तय करके पूरी मेहनत और लगन के साथ काम में जुट जाना होगा।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने आगे कहा कि किसी भी संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता, उसकी मजबूत बूथ संरचना और आम जनता के साथ लगातार बना रहने वाला संपर्क ही होता है। उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत प्राप्त करने के उद्देश्य से सभी से एकजुट होकर प्रयास करने और निरंतर जनसंपर्क बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

बैठक में मौजूद दादरी विधानसभा प्रभारी गोपाल अग्रवाल और जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी ने भी अपने विचार साझा किए। दोनों नेताओं ने संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक असरदार बनाने, बूथ समितियों को हमेशा सक्रिय रखने और केंद्र सरकार के साथ-साथ प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने की बात कही।

गाजियाबाद में मिलावटखोरों पर प्रशासन का शिकंजा

वेब वार्ता। गाजियाबाद

❖ 25 जगह छापेमारी 49 सैंपल लिए

दीपावली और आगामी त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए जिला प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है शासन के निर्देश पर चलाए जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने एक दिन में 25 स्थानों पर छापेमारी कर 49 खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए वहीं अनियमितताएं मिलने पर दो खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त करने के लिए रिपोर्ट भेजी गई है।

एडीएम सिटी विकास कश्यप ने बताया कि अभियान के तहत 18 टीमों ने अलगअलग स्थानों पर कार्रवाई की त्योहारों के दौरान मिलावट की आशंका को देखते हुए जनपद स्तर पर चार विशेष टीमें भी गठित की गई हैं। ये टीमें खोया मावा पनीर और दीपावली पर इस्तेमाल होने वाली अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर नजर रखेंगी। उन्होंने बताया कि हापुड़ बुलंदशहर और दिल्ली जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों से गाजियाबाद में आने वाले मावा और पनीर की विशेष निगरानी की जा रही है शासन के इंटर डिस्ट्रिक्ट अभियान का उद्देश्य दूसरे जिलों से आने वाली असुरक्षित खाद्य सामग्री की आपूर्ति पर रोक लगाना है इसके लिए टीमें लगातार जांच और छापेमारी कर रही हैं।

एडीएम सिटी ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि त्योहारों पर मिठाई मावा पनीर और अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय सावधानी बरतें। किसी भी तरह की मिलावट की आशंका होने पर इसकी सूचना प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग को दें।

महिला से छेड़छाड़ का प्रयास, पति-देवर को पीटा

नोएडा। सदरपुर गांव में सीढ़ियों पर महिला का रास्ता रोककर छेड़छाड़ करने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर चार युवकों ने महिला के पति और देवर के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। आरोपियों ने जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-39 थाना पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सदरपुर गांव निवासी महिला शनिवार को अपने पति के साथ मकान की छत पर पूजा करने गई थी। पूजा के बाद दोनों सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। इसी दौरान भवन में किराये पर रहने वाले मोनू, मच्छर, आयुष और अनूप ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि चारों ने महिला पर अभद्र टिप्पणियां कीं और छेड़छाड़ करने लगे। पीछे चल रहे आशीष ने इसका विरोध किया तो आरोपी उनसे उलझ गए और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर महिला के देवर भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आशीष को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की।

एमएसएमई प्रतिनिधिमंडल ने नए डीसीपी से की मुलाकात

वेब वार्ता। नोएडा

डीडी आरडब्ल्यूए फेडरेशन और एमएसएमई संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त डीसीपी नोएडा जोन-1 प्रीति यादव से उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने डीसीपी को गुलदस्ता भेंट किया। उन्होंने नए पदभार के लिए प्रीति यादव को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

इस मुलाकात के दौरान इलाके की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उपायों पर गहराई से चर्चा की गई। बैठक में व्यापारियों, आम नागरिकों और महिलाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं तथा प्राथमिकताओं को प्रमुखता से उठाया गया। बातचीत के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर विशेष जोर दिया।

प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनने के बाद डीसीपी प्रीति यादव ने उन्हें सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सबसे पहली प्राथमिकता है। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि आम जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस और नागरिकों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर अपराधमुक्त माहौल तैयार करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने भी पुलिस प्रशासन को अपनी तरफ से हरसंभव सहयोग देने का पूरा आश्वासन दिया। इस बैठक में डीडी आरडब्ल्यूए फेडरेशन के अध्यक्ष एनपी सिंह और एमएसएमई के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा मौजूद रहे। उनके साथ शनि मंदिर के अध्यक्ष और वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान के संरक्षक मान सिंह चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार, गौतम ऋषि, उपाध्यक्ष अनिल सिंह तथा सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए से एके सरीन सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

सीवर ओवरफ्लो और जल निकासी की गंभीर समस्या

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पिनकोड 201301 के अंतर्गत सेक्टर-2 स्थित ए-23 के सामने सीवर ओवरफ्लो और ड्रेनेज ब्लॉक होने की एक गंभीर और लगातार बनी रहने वाली समस्या सामने आई है। इस स्थान पर सीवर का मैनहोल काफी समय से उफन रहा है जिसकी मुख्य वजह ड्रेनेज सिस्टम का ठीक से काम न करना और रुकावट आना है। इस गंभीर स्थिति के कारण दूषित सीवेज का पानी आसपास की फैक्ट्री परिसरों में वापस बहकर जा रहा है, जिससे वहां बेहद अस्वच्छ हालात पैदा हो गए हैं। इस समस्या की वजह से कर्मचारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और रोजमर्रा के औद्योगिक कामकाज पर भी बुरा असर पड़ रहा है। इस बदतर स्थिति की वजह से गंभीर स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा हो गए हैं। संक्रमण फैलने की आशंका, पानी से होने वाली बीमारियां और साफ-सफाई से जुड़े अन्य खतरे लगातार मंडरा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कई इलाकों में बिजली ट्रिपिंग से परेशानी

गाजियाबाद। शहर के कई इलाकों में रविवार को बिजली ट्रिपिंग रही। इस कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। नवयुग मार्केट, जटवाड़ा, मालीवाड़ा आदि इलाकों में दिन के समय कई बार बिजली ट्रिपिंग रही। गोविन्दपुरम, महेंद्रा एन्कलेव और शास्त्रीनगर में भी बिजली ट्रिपिंग रही। वहीं लाल कुआं क्षेत्र में बिजली की लाइन में फॉल्ट होने से सुबह के वक्त दो घंटे तक बिजली नहीं आ सकी। इस कारण लोगों ने पेयजल संकट भी झेला। सूचना मिलने पर विद्युत कर्मचारी मौके पर पहुंचे और फॉल्ट ठीक किया। विजयनगर के सैन विहार में सुबह करीब आठ बजे से साढ़े नौ बजे तक बिजली कटौती रही।

जेएनएनवाईसी ने वीवीआईपी ब्लू को 30 रन से हराया

गाजियाबाद। लाल बहादुर शास्त्री हॉकी स्टेडियम में अंडर-14 आयुवर्ग में जेएनएनवाईसी और वीवीआईपी के बीच मैच हुआ। मैच में जेएनएनवाईसी ने वीवीआईपी ब्लू को 30 रन से शिकस्त दी। मुकाबले में टॉस जीतकर वीवीआईपी ब्लू ने पहले फील्डिंग का फैसला लिया। जेएनएनवाईसी की टीम ने 39.4 ओवर में 131 रन बनाए। टीम के लिए ओजस सक्सेना ने 15 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीवीआईपी ब्लू की टीम 34.2 ओवर में 101 रन पर ही ऑलआउट हो गई। अब मलिक को प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

छात्रों ने सजावटी समान की प्रदर्शनी लगाई

गाजियाबाद। विजयनगर स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार की शाम दीवाली मेले का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डॉ. करुण कुमार गौड़ और प्रधानाचार्या अंजू गौड़ ने किया। इस अवसर पर छात्रों ने रामलीला की मनमोहक प्रस्तुति दी। पारंपरिक मिट्टी के बर्तन बनाने की कला और दीवाली के सजावटी समान की प्रदर्शनी और बिक्री के स्टॉल भी लगाए।

किसानों को नैनो यूरिया और डीएपी के प्रयोग का प्रशिक्षण मिलेगा

गाजियाबाद। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और इफको के नैनो उत पादों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके माध्यम से किसानों को नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के प्रयोग, संतुलित उर्वरक उपयोग और टिकाऊ खेती के बारे में जानकारी दी जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने कहा कि किसानों को खेती से अधिक उपज मिल सकें, इसके लिए उनको नैनो यूरिया औरडीएपी के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को इफको के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए। सीडीओ ने बताया कि सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक शासन की योजनाओं और कृषि संबंधी उपयोगी जानकारियां प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकती हैं।

मुठभेड़ में इनामी बदमाश ढेर, दो पुलिसकर्मी घायल

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-126 थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात पुलिस के साथ मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश अमन त्यागी उर्फ माया त्यागी मारा गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि त्यागी रणदीप भाटी गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी तथा गैंगस्टर एक्ट समेत 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में गोली लगने से दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त प्रीति यादव ने बताया कि सेक्टर-126 थाना पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त टीम शनिवार रात संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी कि इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने रुकने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी और भागने लगा।

दुकान खोलने के विवाद में कर्मचारी से मारपीट

नोएडा। सेक्टर-18 में मोबाइल की नई दुकान के उद्घाटन समारोह के दौरान विवाद हो गया। पड़ोसी दुकानदार ने अपने साथियों के साथ पहुंचकर दुकान की देखरेख करने वाले कर्मचारी को थप्पड़ जड़ दिया। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में सेक्टर-20 थाने में नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है। गाजियाबाद के ओल्ड गांधीनगर निवासी अंकुर दुआ ने सेक्टर-18 में मोबाइल की दुकान शुरू की है। शनिवार को उद्घाटन के मौके पर दुकान में हवन कराया जा रहा था। अंकुर के साथ कर्मचारी गौरव कुमार भी मौजूद था। इसी दौरान बगल की दुकान चलाने वाला अंकुल ढाका दो-तीन युवकों के साथ वहां पहुंचा। उसने गौरव को बाहर बुलाया और नई दुकान खोलने पर आपत्ति जताई। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। आरोप है कि अंकुल ने गौरव को थप्पड़ मार दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे तो आरोपी अपने साथियों के साथ जान से मारने की धमकी देकर वहां से निकल गया।

डासना में हिन्दू बचाओ मोर्चा का नए सिरे से गठन

वेब वार्ता। गाजियाबाद

❖ यति महादेवानंद गिरी बने राष्ट्रीय अध्यक्ष, कई महासभाओं को मिली जिम्मेदारी

शिवशक्ति धाम डासना में रविवार को हिन्दू बचाओ मोर्चा का पुनर्गठन किया गया। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने अपने शिष्य यति महादेवानंद गिरी को हिन्दू बचाओ मोर्चा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया। इस दौरान अखिल भारतीय धर्मरक्षक अजगर महासंघ की स्थापना भी की गई।

महासंघ में अखिल भारतीय धर्मरक्षक जाट महासभा, यादव महासभा, गुर्जर महासभा और क्षत्रिय महासभा को चार प्रमुख घटकों के रूप में शामिल किया गया है। इनके संयोजक के रूप में यति महादेवानंद गिरी, अनिल यादव उर्फ छोटे नरसिंहानंद, मोहित बजरंगी और गुलशन किशोर चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा अखिल भारतीय धर्मरक्षक त्यागी महासंघ और अखिल भारतीय धर्मरक्षक सैनी महासंघ की भी स्थापना की गई। इनकी जिम्मेदारी महामंडलेश्वर यति मां प्रत्यंगिरा गिरी और राजू सैनी को दी गई। बैठक में यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने अपने शिष्यों को अपनी-अपनी जातियों के धर्मरक्षकों को संगठित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की विभिन्न जातियों के मौजूदा संगठन राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत स्वार्थों के आधार पर काम कर रहे हैं।

ऐसे संगठनों में धर्मरक्षा की बात करने वाले लोगों को अपमान और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। इसी वजह से धर्म को प्राथमिकता देने वाले लोगों को एक साझा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन संगठनों का गठन किया जा रहा है।

ओमान में नौकरी दिलाने के नाम पर प्रोफेसर से ठगी

नोएडा। ओमान की नामी यूनिवर्सिटी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक प्रोफेसर से 1.27 लाख रुपये ठग लिए गए। शैक्षिक प्रमाणपत्रों के सत्यापन, आवेदन और रजिस्ट्रेशन के नाम पर अलग-अलग किस्तों में रकम वसूली गई। नौकरी न मिलने पर पीड़ित प्रो. नौशाद ने सेक्टर-39 थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-45 स्थित आम्रपाली सफायर सोसाइटी निवासी प्रो. नौशाद ने पुलिस को शिकायत दी कि उन्हें ओमान की धोफर यूनिवर्सिटी में नौकरी दिलाने का प्रस्ताव दिया गया था। इसके लिए उनके शैक्षिक प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराने और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के नाम पर रुपये मांगे गए। नौकरी मिलने की उम्मीद में उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से अलग-अलग तारीखों में रकम भेज दी। 11 फरवरी 2026 को 28 हजार 500 रुपये, 15 फरवरी को 30 हजार 160 रुपये, 31 हजार 110 रुपये और 26 फरवरी को 38 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए।

रेडीमेड कपड़ों की दुकान में लगी भीषण आग

वेब वार्ता। गाजियाबाद

❖ लाखों का सामान जलकर राख, शॉर्ट सर्किट की आशंका

लोनी कोतवाली क्षेत्र के लोनी मेन बाजार में शनिवार रात एक रेडीमेड गारमेंट की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखा लाखों रुपये का रेडीमेड कपड़ों सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। घटना के समय दुकानदार दुकान बंद कर अपने घर जा चुका था। आग की सूचना मिलते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार रात करीब 10:30 बजे की है। लोनी मेन बाजार स्थित रेडीमेड गारमेंट की दुकान की पहली मंजिल पर अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और दुकान के अंदर रखा सामान इसकी चपेट में आ गया। बताया गया कि दुकानदार रात को दुकान बंद कर-के अपने घर चला गया था। इसी दौरान दुकान में आग लग गई। आसपास के लोगों ने दुकान से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं तो तुरंत दुकानदार और दमकल विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी आग पर काबू पाने में मदद की। दमकलकर्मियों की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी, लेकिन तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। दुकानदार ने बताया कि वह रात में दुकान बंद करके घर चला गया था। करीब साढ़े 10 बजे उसके पास फोन आया कि दुकान में आग लग गई है।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा-1 में अवैध पीजी पर बवाल

आरडब्ल्यूए जनसुनवाई में उठा हुड़दंग का मुद्दा

वेब वार्ता। ग्रेटर नोएडा

सेक्टर बीटा-1 में अवैध रूप से चलाए जा रहे पीजी और गेस्ट हाउस के कारण स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। रविवार को हुई रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की जनसुनवाई के दौरान यह मुद्दा बहुत प्रमुखता से उठा। सेक्टर के निवासियों ने आरोप लगाया कि इन पीजी में रहने वाले कुछ छात्र-छात्राएं आए दिन हुड़दंग मचाते हैं और आसपास के लोगों से अभद्र व्यवहार करते हैं। परेशान लोगों ने अवैध पीजी और गेस्ट हाउस बंद कराने तथा नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

आरडब्ल्यूए सेक्टर बीटा-1 की तरफ से सेक्टरवासियों की परेशानियां और समस्याएं सुनने के लिए हर रविवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी क्रम में रविवार को जनसुनवाई की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पहुंचे निवासियों ने बताया कि उनके सेक्टर में कई पीजी बिना उचित नियमों और जरूरी व्यवस्थाओं के अवैध तरीके से चल रहे हैं।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इन पीजी और गेस्ट हाउस में रहने वाले कुछ छात्र-छात्राएं अक्सर हुड़दंग मचाते हैं। वे आसपास रहने वाले लोगों के साथ गलत व्यवहार भी करते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात के समय शराब पीकर घूमने जैसी गतिविधियों से भी स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है। निवासियों को चिंता है कि इस तरह की हरकतों से सेक्टर की सुरक्षा और यहां का शांत वातावरण प्रभावित हो रहा है।

आरडब्ल्यूए की अध्यक्ष संगीता शर्मा ने इस मामले पर तुरंत संज्ञान लिया। संगीता शर्मा के साथ ही आरडब्ल्यूए के महासचिव हरेंद्र भाटी ने भी सेक्टर की समस्याओं पर अपनी बात रखी। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संगीता शर्मा और महासचिव हरेंद्र भाटी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण तथा पुलिस प्रशासन से इस पूरे मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सेक्टर में संचालित हो रहे सभी पीजी की जांच कराई जाए। जो भी पीजी नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं या बिना अनुमति के अवैध रूप से चल रहे हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

सुरक्षा और बेहतर व्यवस्था बनाने का प्रयास: आरडब्ल्यूए के कोषाध्यक्ष एडवोकेट विपिन भाटी ने भी जनसुनवाई के दौरान संगठन का रुख साफ किया। कोषाध्यक्ष एडवोकेट विपिन भाटी ने बताया कि आरडब्ल्यूए सेक्टर की सुरक्षा, स्वच्छता और बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। एडवोकेट विपिन भाटी ने कहा कि हर रविवार को होने वाली जनसुनवाई के माध्यम से निवासियों की समस्याएं सुनी जाती हैं। इसके बाद इन शिकायतों को संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाता है ताकि उनका हल निकल सके।

गाजियाबाद में पीडीए रैली में जाने से रोके गए सपाई

वेब वार्ता। गाजियाबाद

❖ महानगर अध्यक्ष बोले- पुलिस के दम पर गुंडागर्दी कर रही योगी सरकार

दिल्ली में आयोजित समाजवादी पार्टी की पीडीए रैली में शामिल होने जा रहे सपा कार्यकर्ताओं को गाजियाबाद में पुलिस ने रोक दिया। फ्लाईओवर के नीचे पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता लाल टोपी और लाल गमछा पहनकर पहुंचे थे पुलिस की कार्रवाई से कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिलीस्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पीडीए रैली के लिए अनुमति है और पार्टी के कार्यकर्ता उसमें शामिल होने जा रहे हैं इसके बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार उन्हें रोक रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब रैली की अनुमति है और लोग दिल्ली जा रहे हैं तो सरकार को कार्यकर्ताओं को रोकने की जरूरत क्यों पड़ रही है।

वीरेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार पुलिस के बल पर गुंडागर्दी कर रही है उन्होंने कहा रुये पुलिस के बल पर सरकार गुंडागर्दी कर रही है। इस गुंडागर्दी को चलने नहीं देंगे हम सब लोग दिल्ली जाकर रहेंगे सरकार पूरी तरह डरी हुई है। ये सरकार चलेगी नहीं। यूपी में हम जाएंगे और सरकार को हटाएंगे।

महानगर अध्यक्ष ने दावा किया कि प्रदेश सरकार से जनता का समर्थन खत्म हो चुका है। वहीं, सपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस की रोक-टोक को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए विरोध जताया।

एम करोड़ की स्मैक के साथ महिला गैंग लीडर समेत चार गिरफ्तार

वेब वार्ता। गाजियाबाद



जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने स्मैक तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत चेकिंग के दौरान एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 969 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसे 860 छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक किया गया था। पुलिस ने बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मौ. आर्यन, ईमामुद्दीन, इमरान और समीना के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से स्मैक की बिक्री से प्राप्त 1,74,990 रुपये नकद, पीली धातु की तीन अंगूठियां और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क और मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि समीना गिरोह की लीडर है। वह दिल्ली से स्मैक लेकर आती थी और बाकी आरोपियों को आसपास के इलाकों में बिक्री के लिए उपलब्ध कराती थी। गिरोह के सदस्य स्मैक को छोटी-छोटी पुड़ियों में भरकर बेचते थे। एक पुड़िया की कीमत 300 से 400 रुपये तक रखी जाती थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी स्मैक की पुड़िया तैयार कर स्थानीय स्तर पर ग्राहकों को बेचते थे। बरामद नकदी को पुलिस ने स्मैक की बिक्री से प्राप्त रकम बताया है।

पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य किराये के मकानों में रहते थे और अपनी पहचान तथा ठिकाने को छिपाने के लिए लगातार स्थान बदलते रहते थे। आरोपी एक या दो महीने में अपना किराये का मकान बदल देते थे, ताकि पुलिस की नजरों से बच सकें और तस्करी का काम जारी रख सकें। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी दिल्ली में किन लोगों से स्मैक खरीदते थे और गाजियाबाद के किन-किन इलाकों में इसकी सप्लाई की जाती थी। गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी इमरान के खिलाफ चोरी के मामले दर्ज हैं, जबकि समीना के खिलाफ दिल्ली के सीमापुरी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिली है।

टेंडर खत्म, यूनीपोल से कमाई जारी महीनेभर से ठेकेदार पर मेहरबान नगर निगम!

158 यूनीपोल का टेंडर लेकर शहर में खड़े कर दिए 165 से 170 यूनीपोल, नियमों की खुली अनदेखी

- तय आकार से बड़े यूनीपोल पर दो साल तक चलता रहा नोटिसों का खेल, कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति
- दो साल तक नोटिसों का खेल, टेंडर खत्म होने के बाद भी कमाई का सिलसिला जारी

वेब वार्ता। हरिद्वार

नगर निगम में ठेकेदार की मनमानी के आगे नियम-कायदे बेअसर नजर आ रहे हैं। शहर में यूनीपोल लगाने के लिए जारी टेंडर की शर्तों को दरकिनार कर निर्धारित संख्या से अधिक और तय आकार से बड़े यूनीपोल खड़े कर दिए गए। हैरानी की बात यह है कि टेंडर की समय सीमा समाप्त हुए करीब एक माह बीत चुका है, लेकिन नगर निगम अधिकारी अब तक इन यूनीपोल को हटवा नहीं पाए हैं।

ठेकेदार इन यूनीपोल पर विज्ञापन लगाकर लगातार कमाई कर रहा है। ऐसे में नगर निगम को राजस्व नुकसान होने की आशंका भी जताई जा रही है। दरअसल, नगर निगम ने एक अक्तूबर 2024 को दो वर्ष की अवधि के लिए शहर में यूनीपोल लगाने का टेंडर जारी किया था। टेंडर की शर्तों के अनुसार ठेकेदार को 158 यूनीपोल लगाने की अनुमति दी गई थी। प्रत्येक यूनीपोल का आकार 20.10 फीट निर्धारित किया गया था, लेकिन ठेकेदार ने इन शर्तों को ताक पर रख दिया। शहर में निर्धारित संख्या से अधिक करीब 165 से 170 यूनीपोल खड़े कर दिए गए।





वहीं, निर्धारित आकार के बजाय 24.12 और 30.10 फीट के बड़े यूनीपोल भी लगा दिए गए। सबसे गंभीर पहलू यह है कि टेंडर अवधि के दौरान भी निर्धारित संख्या और आकार से अधिक यूनीपोल लगाए जाने का मामला सामने आता रहा, लेकिन नगर निगम की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। बताया जा रहा है कि इस मामले में दो साल के दौरान अधिकारियों ने महज नोटिस जारी करने तक ही कार्रवाई सीमित रखी। इससे नगर निगम की निगरानी व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

एक अक्टूबर को टेंडर की अवधि हो चुकी खत्म

वहीं, एक अक्तूबर 2026 को टेंडर की अवधि समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद शहर में यूनीपोल लगे हुए हैं और उन पर विज्ञापन भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं। सवाल यह है कि टेंडर खत्म होने के बाद इन यूनीपोल पर विज्ञापन लगाने की अनुमति किसने दी और इसके एवज में होने वाली कमाई का हिसाब कौन रख रहा है। यदि बिना वैध अनुबंध के विज्ञापन लगाए जा रहे हैं तो इससे नगर निगम को राजस्व का नुकसान हो सकता है।

नई टेंडर प्रक्रिया जल्द होगी शुरू

नगर आयुक्त नंदन कुमार ने बताया कि यूनीपोल के लिए नई टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। साथ ही अवैध रूप से लगाए गए यूनीपोल को तत्काल हटाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

अधिकारियों की लापरवाही के चलते मनमानी हो रहीः शर्मा

पूर्व सभासद अशोक शर्मा ने कहा कि नगर निगम अधिकारियों की लापरवाही के चलते ठेकेदार मनमानी कर रहा है। टेंडर की शर्तों का खुलेआम उल्लंघन कर निर्धारित संख्या और आकार से बड़े यूनीपोल लगाए गए, लेकिन अधिकारी केवल नोटिस जारी कर अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे। टेंडर समाप्त होने के बाद भी यूनीपोल लगे रहना नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। इसकी जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस नेता स्वामी यतीश्वरानंद ने दिलाई सदस्यता



वेब वार्ता। हरिद्वार

- डॉ. दर्शनलाल के नेतृत्व में वेद मंदिर आश्रम पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थामा भाजपा का दामन
- मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में प्रदेश में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार, विकास कार्य रहेंगे जारी

विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियों के बीच कांग्रेस से जुड़े कई नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। रविवार को वेद मंदिर आश्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. दर्शनलाल के नेतृत्व में पहुंचे कांग्रेस नेताओं को भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने पार्टी की सदस्यता दिलाई।

इस दौरान उन्होंने सभी का फूलमालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश में बिना भेदभाव के विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी और सभी वर्गों के विकास के लिए काम जारी रहेगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के विधायक अपने कार्यकाल में कोई महत्वपूर्ण विकास कार्य नहीं करा पाए। पूर्व में स्वीकृत विकास कार्यों का श्रेय लेने के लिए केवल फीता काटने का काम किया गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। भाजपा की सदस्यता लेने वालों में श्यामपुर निवासी करणदास, बाबूराम, चित्रसेन, तहरसिंग, रामसेवक, मंगल सिंह, गणेशी, दिलावर, पाल्ले और अहसान सहित अन्य लोग शामिल रहे।

ऋषिकुल में सजा युवा प्रतिभाओं का मंच लोक संस्कृति के रंगों में रंगा युवा महोत्सव

वेब वार्ता। हरिद्वार



ऋषिकुल ऑडिटोरियम में रविवार को आयोजित युवा महोत्सव में जिलेभर के युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लोकगीतों की स्वर लहरियों से लेकर लोकनृत्य की प्रस्तुतियों तक कार्यक्रम में उत्तराखंड की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। जिला प्रशासन और युवा कल्याण विभाग की ओर से आयोजित इस महोत्सव में विभिन्न विकासखंडों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इसके बाद लोकनृत्य, लोकगीत, गायन, भाषण, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, पेंटिंग और कविता लेखन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और कला के जरिए मंच पर अपनी पहचान बनाई। मदन कौशिक ने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा के दम पर विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे आयोजन उन्हें अपनी क्षमता दिखाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर देते हैं।

आयोजकों ने बताया कि जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रमोद चंद पांडे सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

कैंट से नवीन बिष्ट होंगे आप के प्रत्याशी महेंद्र यादव ने किया नाम का ऐलान

- बसंत विहार में कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ी भीड़, पार्टी ने हजारों लोगों के शामिल होने का किया दावा
- टिकट की घोषणा के बाद समर्थकों ने निकाली रैली, आतिशबाजी कर मनाया जश्न

वेब वार्ता। देहरादून

आम आदमी पार्टी ने उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पार्टी ने देहरादून की कैंट विधानसभा सीट से नवीन बिष्ट को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। रविवार को बसंत विहार स्थित रॉयल इन पैलेस वेडिंग प्वाइंट में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उत्तराखंड प्रभारी महेंद्र यादव ने उनके नाम की घोषणा की। इस दौरान पार्टी ने बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने का दावा किया। सम्मेलन में महिला और युवा कार्यकर्ताओं की भी अच्छी भागीदारी देखने को मिली। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तराखंड प्रभारी महेंद्र यादव ने कहा कि नवीन बिष्ट युवा नेता हैं और लंबे समय से सामाजिक कार्यों के माध्यम से जनता के बीच सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि नवीन की ऊर्जा, सक्रियता और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी ने उन्हें कैंट विधानसभा से प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवीन बिष्ट क्षेत्र की जनता के बीच पार्टी की नीतियों को लेकर जाएंगे और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर विधानसभा पहुंचेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभी से चुनाव की तैयारियों में जुटने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

नवीन बिष्ट बोले, पार्टी के भरोसे पर खरा उतरूंगा

प्रत्याशी घोषित होने के बाद नवीन बिष्ट ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। वह इस भरोसे पर खरा उतरने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी उत्तराखंड की सभी विधानसभा सीटों पर मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी का लक्ष्य प्रदेश में सरकार बनाना है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जनता के बीच जाना होगा। उन्होंने कहा कि कैंट विधानसभा क्षेत्र में जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष जारी रहेगा और संगठन को मजबूत किया जाएगा।

कई वरिष्ठ पदाधिकारी रहे मौजूद

सम्मेलन में उत्तराखंड सह प्रभारी डॉ. युवराज भारद्वाज, प्रदेश अध्यक्ष उमा सिसोदिया, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मंजू शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री ओपी मिश्रा, प्रदेश महामंत्री श्याम बाबू पांडेय, टिहरी लोकसभा सह प्रभारी अजय गौर और युवा अध्यक्ष हिमांशु पुंडीर सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समर्थकों ने निकाली रैली, आतिशबाजी कर मनाया जश्न

नवीन बिष्ट को प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद उनके समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में महिला और युवा कार्यकर्ताओं ने पार्टी का दामन थामा। इसके बाद समर्थकों ने रैली निकालकर अपनी खुशी जाहिर की। इस दौरान आतिशबाजी भी की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की। सम्मेलन के जरिए पार्टी ने कैंट विधानसभा क्षेत्र में अपनी चुनावी सक्रियता का संदेश देने का प्रयास किया।

आवास विकास की गली नंबर-03 में 11 लाख रुपये से बनेगी सड़क, महापौर ने किया शुभारंभ

ऋषिकेश। नगर निगम ऋषिकेश की ओर से शहर में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में महापौर शम्भू पासवान ने वार्ड संख्या-17 के अंतर्गत आवास विकास की गली नंबर-03 में लगभग 11 लाख रुपये की लागत से होने वाले सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया।

खेल महाकुंभ-2026 का भव्य समापन, 3.17 लाख खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

- मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी का देहरादून में समापन, विजेताओं को मिलेंगे 11.50 करोड़ रुपये; पिछले साल के मुकाबले करीब एक लाख खिलाड़ी बढ़े

वेब वार्ता। देहरादून



उत्तराखंड में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित खेल महाकुंभ-2026 के तहत मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी का रविवार को देहरादून में भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और खेल मंत्री रेखा आर्या शामिल हुए।

इस वर्ष खेल महाकुंभ में रिकॉर्ड 3.17 लाख खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 2.19 लाख थी। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इस बार कुल 3.33 लाख खिलाड़ियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था। प्रतियोगिताओं का आयोजन न्याय पंचायत स्तर से लेकर राज्य स्तर तक किया गया। इसमें कुल 32 खेल विधाओं को शामिल किया गया, जिनमें पारंपरिक खेलों के साथ आधुनिक और ओलंपिक खेल भी शामिल रहे।

ग्रामीण प्रतिभाओं को मिला मंच

खेल महाकुंभ के तहत न्याय पंचायत स्तर पर 662, विधानसभा स्तर पर 70 और संसदीय क्षेत्र स्तर पर आठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस पहल से प्रदेश के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। समापन समारोह में खिलाड़ियों ने मलखंब और योग की आकर्षक प्रस्तुतियां भी दीं।

विजेताओं को मिलेंगे 11.50 करोड़ रुपये

प्रतियोगिताओं में विभिन्न स्तरों पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को कुल 11.50 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इसके साथ ही विजेता खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र और मेडल भी प्रदान किए जाएंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के लिए ट्रैकसूट, खेल किट, जूते और भोजन की व्यवस्था भी की गई।

खेलों से रोजगार के अवसर पैदा करने पर जोर

खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि खेल अब केवल शारीरिक और मानसिक विकास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार, सम्मान और बेहतर भविष्य के अवसर भी तैयार हो रहे हैं। सरकार प्रदेश में खेल सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक प्रशिक्षण और खेल अवस्थापना के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ का उद्देश्य गांवों और शहरों की खेल प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान करना है, ताकि उत्तराखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

आईसीयू में सफाई व्यवस्था बदहाल

- वार्डों में पसरी गंदगी से संक्रमण का खतरा
- समान कार्य-समान वेतन की मांग को लेकर दून अस्पताल में कर्मचारियों की हड़ताल, मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

वेब वार्ता। देहरादून



दून अस्पताल में समान कार्य-समान वेतन की मांग को लेकर कर्मचारियों की हड़ताल के चलते अस्पताल की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है।

अस्पताल के आईसीयू सहित विभिन्न वार्डों में गंदगी पसरी हुई है, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों की परेशानियां बढ़ गई हैं। वहीं, अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था चरमराने से संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। अस्पताल के संवेदनशील आईसीयू जैसे स्थानों पर सफाई व्यवस्था प्रभावित होना गंभीर चिंता का विषय है। वार्डों में गंदगी और साफ-सफाई की कमी से मरीजों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। अस्पताल में पहले से ही गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए यह स्थिति और अधिक जोखिमपूर्ण हो सकती है।

हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की प्रमुख मांग समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करना है। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वे अपनी मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया है। इसी के विरोध में उन्होंने आंदोलन का रास्ता अपनाया है।

वहीं, हड़ताल का असर अस्पताल की व्यवस्थाओं पर दिखाई देने लगा है। मरीजों और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अस्पताल प्रशासन के सामने कर्मचारियों की मांगों पर समाधान निकालने के साथ-साथ मरीजों की सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने की बड़ी चुनौती है।

हरिद्वार रेलवे स्टेशन और कॉलोनी में पेयजल गुणवत्ता को लेकर विशेष अभियान

वेब वार्ता। हरिद्वार

- यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने पर जोर

हरिद्वार रेलवे स्टेशन एवं रेलवे कॉलोनी में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने और पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पानी के स्रोतों की नियमित गुणवत्ता जांच और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत स्टेशन परिसर और आसपास के पेयजल स्रोतों की जांच की जा रही है। इसके साथ ही जल शोधन संयंत्रों, वाटर वेंट्स तथा पाइपलाइनों की गहन सफाई पर जोर दिया जा रहा है, ताकि पेयजल को संक्रमण से सुरक्षित रखने और उसकी गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिल सके। इस अभियान को मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सुनील चौहान, हरिद्वार तथा हिमांशु कुमार, सेक्शन इंजीनियर/कार्य, हरिद्वार के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से पेयजल व्यवस्था की निगरानी, स्वच्छता और गुणवत्ता जांच को प्राथमिकता दी जा रही है।

रेलवे स्टेशन और कॉलोनी में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना है।

देहरादून में निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं चिकित्सा शिविर आयोजित

वेब वार्ता। देहरादून



श्री सत्य साईं सेवा संगठन की ओर से जनसेवा, स्वास्थ्य कल्याण और लोगों को हृदय रोगों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को रायपुर स्थित साईं ग्रेस एकेडमी-5 इंटरनेशनल में विशाल निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गुजरात के राजकोट और अहमदाबाद से आए हृदय रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया।

शिविर का उद्घाटन उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल एवं परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। इस अवसर पर श्री सत्य साईं सेवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व कर्नल योगेंद्र सिंह ने कहा कि संगठन का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसी उद्देश्य से निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर आयोजित किया गया, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रदेशवासियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और बेहतर बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। वहीं, परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा ने श्री सत्य साईं सेवा संगठन की सराहना करते हुए कहा कि निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सराहनीय एवं पुनीत कार्य है। इस तरह के आयोजनों से जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलती हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार भी प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिविर के माध्यम से लोगों को हृदय रोगों की समय पर जांच कराने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया।

प्रणवी संयुक्त 17वें स्थान पर रहीं, दक्षिण अफ्रीका की कैसांद्रा बनीं चैंपियन

ताओयुआन (चीनी ताइपे)। भारत की स्टार गोल्फर प्रणवी उर्स ने रविवार को विस्टन लेडीज ओपन के अंतिम दौर में चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेलते हुए टूर्नामेंट का समापन संयुक्त 17वें स्थान के साथ किया। प्रणवी मौजूदा सत्र में नौवीं बार शीर्ष 20 में रहीं हैं। प्रणवी ने टूर्नामेंट में 70, 68, 73 और 68 के कार्ड खेले। इस तरह उनका कुल स्कोर नौ अंडर 279 रहा। दक्षिण अफ्रीका की कैसांद्रा अलेक्जेंडर ने अंतिम दिन शानदार खेल दिखाते हुए खिताब अपने नाम किया। उन्होंने अंतिम दौर में आठ अंडर 64 का बेहतरीन कार्ड खेला और तीन स्ट्रोक के अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कुल 21 अंडर के स्कोर के साथ लेडीज यूरोपीय टूर पर अपना चौथा खिताब जीता।

आखिरी 20 मिनट में तीन गोल कर एससी दिल्ली ने मुंबई सिटी को हराया

मुंबई। स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल मुकाबले में रविवार को दो गोल से पीछे होने के बाद शानदार वापसी करते हुए मुंबई सिटी एफसी को 3-2 से शिकस्त दी। दिल्ली की टीम ने मैच के आखिरी 20 मिनट में तीन गोल दागे, जिनमें दो गोल इंजरी टाइम में आए। मुंबई सिटी एफसी ने पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 की बढ़त बना ली थी। मोहम्मद अजसल ने छठे मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला, जबकि जोथनपुइया ने 27वें मिनट में दूसरा गोल दागकर मुंबई की स्थिति मजबूत कर दी। स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की। कार्लोस फोर्टेस ने 73वें मिनट में गोल कर अंतर 1-2 कर दिया। इसके बाद अक्षत मेहरा ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट (90+2 मिनट) में गोल दागकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया।

आईएफएलः श्रीनिधि डेक्कन एफसी ने राजस्थान यूनाइटेड को 1-0 से हराया

जयपुर। श्रीनिधि डेक्कन एफसी ने रविवार को यहां इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) 2026-27 सत्र की शुरुआत राजस्थान यूनाइटेड पर 1-0 की जीत के साथ की। डेक्कन वॉरियर्स के लिए निशु कुमार ने 66वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर टीम को सत्र के पहले मुकाबले में तीन अंक दिलाए। मैच की धीमी गति के कारण दोनों टीम के डिफेंस ने बेहतर प्रदर्शन किया। पहले हाफ के अंत तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और स्कोर 0-0 रहा।

पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे मुकाबले से भी बाहर

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को एहतियात के तौर पर भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच सात नवंबर से शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम बहु दिवसीय मुकाबले से भी बाहर कर दिया गया है। इससे वेलिंगटन में होने वाले पहले टेस्ट में उनकी उपलब्धता को लेकर संशय पैदा हो गया है। पंत ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन (मांसपेशियों में खिंचाव) से जूझने के बाद न्यूजीलैंड में भारत ए के शुरुआती दो मुकाबलों से भी बाहर हो गए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा कि ऋषभ पंत को एहतियात के तौर पर न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। सूत्र ने कहा कि पंत ने हालांकि ट्रेनिंग शुरू कर दी है और उन्हें अब दर्द भी नहीं है लेकिन प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी की समयसीमा अभी तय नहीं है। इस मुकाबले से बाहर होने के कारण पंत को दो मैच की टेस्ट शृंखला से पहले मैदान पर अभ्यास करने का महत्वपूर्ण मौका नहीं मिल सकेगा।

चेन्नई ओपनः 14 वर्षीय जेन्सी ने हारने के बावजूद दिल जीता

चेन्नई। जब वह जूनागढ़ से लगभग 2,000 किलोमीटर की यात्रा करके चेन्नई पहुंचीं, तब उनका नाम मूल क्वालीफाइंग सूची में भी नहीं था, लेकिन 14 वर्षीय जेन्सी कनाबर ने मौका मिलने पर रविवार को यहां डब्ल्यूटीए 250 चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जेन्सी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त वेरोनिका फाल्कोव्स्का को तीन सेटों तक कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। भारत की श्रीवल्ली भामिदिपति के सीधे क्वालीफाइंग ड्रॉ में प्रवेश करने के बाद जेन्सी को देर से वाइल्ड कार्ड मिला था। उन्होंने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया। उन्होंने पोलैंड की विश्व रैंकिंग में 287वें नंबर की खिलाड़ी वेरोनिका के खिलाफ दूसरा सेट जीत लिया और निर्णायक सेट में उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में 2-6, 7-5, 6-3 से हार गई। जेन्सी ने कहा कि उनके पास मुझसे ज्यादा अनुभव है, इसलिए वे कुछ अलग कर सकते हैं। वे तेज या धीमी गति से खेल सकते हैं, मैच की स्थिति बदल सकते हैं। मैंने आज यही सीखा। उन्होंने कहा कि मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। अगली बार मैं निश्चित तौर पर इससे बेहतर प्रदर्शन करूंगी।

सीफर्ट को जीवनदान देना महंगा पड़ा भारत को, न्यूजीलैंड की आसान जीत

एजेंसी। हैमिल्टन



भारत को टिम सीफर्ट को शुरू में ही जीवनदान देना महंगा पड़ा क्योंकि इस सलामी बल्लेबाज ने इसका पूरा फायदा उठाकर 50 गेंद पर 93 रन की तूफानी पारी खेली जिससे न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां खेले गए पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दो ओवर शेष रहते हुए सात विकेट से जीत दर्ज की।

भारत पहले तीन मैच जीतकर पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल कर चुका था। इस तरह से उसने श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की। सीफर्ट जब 13 रन पर खेल रहे थे तब नमन धीर ने उनका आसान कैच टपका दिया। उन्होंने इसके बाद 11 चौकों और पांच छक्कों से सजी अपनी पारी से भारतीय गेंदबाजों को पस्त किया। ग्लेन फिलिप्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 38 गेंद पर नाबाद 65 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 195 रन बनाकर चार नवंबर से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत दर्ज की। भारत ने श्रृंखला में पहली बार टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर (23 गेंद पर 50, तीन चौके, चार छक्के) और ईशान किशन (32 गेंद पर 61, पांच चौके, पांच छक्के) के बीच 107 रन की साझेदारी की मदद से आठ विकेट पर 191 रन बनाए।

भारत को अपेक्षाकृत कम स्कोर पर रोकने में एडम मिल्ने ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। अर्शदीप सिंह ने फिन एलन को जल्द ही चलता कर दिया। उन्हें अपने अगले ओवर में सीफर्ट का विकेट भी मिल जाता लेकिन नमन ने उन्हें जीवनदान दिया। उन्होंने इसका जश्न छक्का लगाकर मनाया।

डेरिल मिचेल (16 गेंद पर 29, चार छक्के) ने प्रिंस यादव का स्वागत लगातार दो छक्के लगाकर किया जबकि सीफर्ट ने पावर प्ले के आखिरी ओवर में भुवनेश्वर पर दो चौके और दो छक्के लगाकर 20 रन बटोरे। न्यूजीलैंड ने इस तरह से पावर प्ले में एक विकेट पर 59 रन बनाए। श्रृंखला में अपना पहला मैच खेल रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने मिचेल को आउट करके सीफर्ट के साथ उनकी 73 रन की साझेदारी तोड़ी। सीफर्ट ने नीतीश कुमार रेड्डी पर छक्का लगाकर 34 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। नितीश ने सीफर्ट को बोल्ड करके उन्हें अपने करियर का पहला शतक नहीं बनाने दिया लेकिन तब तक वह फिलिप्स के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचा चुके थे। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की। फिलिप्स ने अर्शदीप पर चौका लगाकर 29 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगाए। फिलिप्स ने इस श्रृंखला में 341 रन बनाए जो किसी द्विपक्षीय श्रृंखला में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है।

इससे पहले भारतीय पारी तीन चरणों में गुजरी। उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही लेकिन बीच के ओवरों में उसने तेजी से रन बनाए और डेथ ओवरों में फिर से कुछ खास नहीं कर पाए। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने महज 19 रन पर सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिए थे। इन दोनों को मिल्ने ने पवेलियन की राह दिखाई। किशन ने थोड़ी धीमी शुरुआत की और पहली 11 गेंदों में केवल 13 रन बनाए, लेकिन एक बार लय में आने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ की गेंद पर लॉन्गऑफ पर चौका और ब्लेयर टिकनर की गेंद पर प्वाइंट के ऊपर से छक्का जड़कर उन्होंने अपना आक्रामक रवैया दिखाया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 में अपना पहला शतक लगाने के बाद अय्यर कुछ खास नहीं कर पाए थे। उन्होंने स्मिथ की गेंद पर छक्का लगाकर शुरुआत की और इसके बाद भी कुछ दर्शनीय शॉट लगाए। उन्होंने ऑफ स्पिनर माइकल ब्रैसवेल पर लगातार 6, 4, 6 रन बनाए। इसमें आखिरी छक्का 100 मीटर की दूरी तक गया। किशन ने ब्रेसवेल की गेंद पर छक्का लगाकर 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि 40 रन पर जीवनदान पाने वाले अय्यर ने भी जल्द ही उनका अनुसरण करते हुए स्मिथ की गेंद पर चौका लगाकर 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। लेकिन न्यूजीलैंड ने ठीक उसी समय वापसी की और टिकनर ने 11वें ओवर में किशन को स्मिथ के हाथों कैच करा दिया। इसके अगले ओवर में स्मिथ ने अय्यर को आउट किया। उन्होंने पुल करने के प्रयास में विकेटकीपर सीफर्ट को कैच दिया। इसके बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई क्योंकि तिलक वर्मा (06), नमन धीर (33) और नीतीश (22) बड़ा स्कोर नहीं बना पाए। लगातार विकेट गिरने के कारण भारत 14वें और 20वें ओवर के बीच केवल 57 रन ही बना सका।

सिंधू ने केयर्सफेल्ड को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन का खिताब जीता

एजेंसी। सारब्रकेन (जर्मनी)



दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को यहां डेनमार्क की विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज लाइन होजमार्क केयर्सफेल्ड को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया जो मौजूदा सत्र का उनका दूसरा खिताब है।

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने पांच लाख डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के 39 मिनट तक चले फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त केयर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से शिकस्त दी। जुलाई में जापान ओपन में खिताब जीतने वाली और पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण और दमदार खेल का प्रदर्शन किया। सिंधू ने कहा कि मेरे लिए यह महत्वपूर्ण था कि प्रतिद्वंद्वी कोई भी हो मैं अपना शत प्रतिशत प्रदर्शन करूं। हम कई बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल चुके हैं और मेरे लिए हर अंक पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी था। मेरे लिए हर अंक महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा कि मैंने शुरुआत से ही बढ़त बना ली थी और उसे वापसी का कोई मौका नहीं दिया। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी ने इस जीत के साथ 9,200 रैंकिंग अंक हासिल किए और सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत की।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आई हैं, सिंधू ने कहा कि बिल्कुल। मेरी पूरी टीम को इसका श्रेय जाता है। हम इसी के अनुसार योजना बना रहे हैं। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं यह जरूरी हो जाता है कि आप अपने खेल को बेहतर बनाएं और फैसले लेने में अधिक समझदारी दिखाएं। उन्होंने कहा कि लेकिन मेरे लिए साथ ही शांतचित्त बने रहना भी महत्वपूर्ण था। अब भी सुधार की गुंजाइश है। चीजें बेहतर हो रही हैं और मैं इससे खुश हूं। रविवार को ही लक्ष्य सेन भारत को दोहरी सफलता दिलाने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे जब वह पुरुष एकल फाइनल में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू का फाइनल से पहले केयर्सफेल्ड के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 6-1 था। डेनमार्क की खिलाड़ी को उनके खिलाफ एकमात्र जीत 2025 सुदीरमन कप फाइनल्स में मिली थी।

सिंधू ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की लेकिन उनकी कुछ गलतियों के कारण डेनमार्क की खिलाड़ी 3-3 से बराबरी हासिल करने में सफल रही। केयर्सफेल्ड ने रैलियों को लंबा खींचने की कोशिश की लेकिन सिंधू के चतुराई भरे शॉट और नेट पर शानदार खेल ने उन्हें 8-5 की बढ़त दिला दी और भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बनाने में सफल रही। भारतीय खिलाड़ी ने कोर्ट के पिछले हिस्से से सटीक पुश शॉट लगाकर 14-11 की बढ़त बनाई और फिर शानदार बैकहैंड विनर के साथ स्कोर 17-12 कर दिया। केयर्सफेल्ड का शॉट इसके बाद नेट में उलझ गया जिससे सिंधू शुरुआती गेम जीतने से सिर्फ दो अंक दूर रह गईं।

भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही आठ गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले ही मौके को भुनाकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। सिंधू ने दूसरे गेम में भी दबदबा बनाए रखा। उन्होंने 4-2 की बढ़त बनाई और फिर कुछ विनर शॉट लगाकर स्कोर 6-3 कर दिया। केयर्सफेल्ड ने वापसी करते हुए स्कोर 6-7 किया लेकिन इसके बाद वह दो शॉट बाहर मार बैठीं। सिंधू ने एक और विनर लगाकर अपनी बढ़त को 10-6 किया। सिंधू ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखते हुए स्कोर 17-11 किया जबकि डेनमार्क की खिलाड़ी को नेट पर अपने खेल को लेकर जूझना पड़ा। सिंधू ने आक्रामक रिटर्न शॉट के साथ छह चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए और फिर नेट पर केयर्सफेल्ड की गलती का फायदा उठाकर मैच और खिताब अपने नाम कर लिया।

भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिपः उषा 61 किग्रा के ग्रुप डी में शीर्ष पर रही

एजेंसी। निंगबो (चीन)



भारतीय भारोत्तोलक उषा ने रविवार को यहां आईडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की महिला 61 किग्रा स्पर्धा के ग्रुप-डी में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि निरुपमा देवी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें ग्रुप-सी में चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। इस 23 वर्षीय उषा ने कुल 212 किलोग्राम वजन (स्नैच में 93 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 119 किलोग्राम) उठाया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने अपने ग्रुप की सभी भारोत्तोलकों को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, वह उच्च ग्रुप-सी की भी कई खिलाड़ियों से आगे रहीं।

दूसरी ओर 63 किग्रा भार वर्ग से 61 किग्रा में आईं निरुपमा देवी ने कुल 211 किग्रा (स्नैच में 91 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 120 किग्रा) वजन उठाया। उनका कुल प्रदर्शन उषा से एक किग्रा कम रहा। प्रवेश के समय घोषित अधिक वजन उठाने के लक्ष्य के कारण उन्हें ग्रुप-सी में जगह मिली थी। ग्रुप-सी और ग्रुप-डी के मुकाबले समाप्त होने के बाद उषा तीसरे जबकि निरुपमा पांचवें पायदान पर थीं। दोनों खिलाड़ियों की अंतिम रैंकिंग ग्रुप-ए के मुकाबले पूरे होने के बाद तय होगी। उषा ने 90 किलोग्राम के स्नैच के साथ सफल शुरुआत की, लेकिन अपने अगले प्रयास में 93 किलोग्राम उठाने में असफल रहीं। वह हालांकि तीसरे और अंतिम प्रयास में 93 किलोग्राम वजन उठाने में सफल रही।

क्लीन एंड जर्क स्पर्धा में उषा ने 115 किलोग्राम और 119 किलोग्राम वजन आसानी से उठाया लेकिन अपने अंतिम प्रयास में 121 किलोग्राम वजन उठाते समय लड़खड़ा गई। निरुपमा स्नैच के अपने पहले प्रयास में 91 किग्रा वजन उठाने में असफल रही। उन्होंने हालांकि दूसरे प्रयास में यह वजन उठाया लेकिन तीसरे प्रयास में 93 किग्रा उठाने में नाकाम रहीं। क्लीन एवं जर्क में निरुपमा ने 120 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया, लेकिन इसके बाद 124 किग्रा उठाने के दोनों प्रयासों में उन्हें असफलता हाथ लगी।

विश्व चैंपियनशिप में ग्रुप ए में वे भारोत्तोलक शामिल होते हैं जिनका घोषित कुल भार (स्नैच और क्लीन एंड जर्क दोनों में मिलाकर) सबसे अधिक होता है। इसी तरह से ग्रुप बी, सी और डी में हर अगले वर्ग में कम वजन उठाने वाले खिलाड़ी शामिल किए जाते हैं। विश्व चैंपियनशिप 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के पहले चरण की छह प्रतियोगिताओं में से एक है।

बल्लेबाजी सुधारने के लिए बाबर ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका जाएंः यूसुफ

एजेंसी,लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने रविवार को स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को अपनी बल्लेबाजी की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका में विशेषज्ञों से मदद लेने की सलाह दी। यूसुफ का मानना है कि लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर के लिए केवल प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर विशेष रूप से काम करने और विशेषज्ञों की मदद लेने की जरूरत है। शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय शृंखला के फाइनल में पाकिस्तान के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए बाबर की खराब फॉर्म एक बार फिर चर्चा में आई। पाकिस्तान फाइनल जीतने में सफल रहा लेकिन बाबर पूरे टूर्नामेंट में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे।

अहमदाबाद में फिट इंडिया साइकिलिंग कार्यक्रम में 500 से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा

एजेंसी,अहमदाबाद। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर अहमदाबाद में आयोजित 'फिट इंडिया- संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम के 97वें सत्र में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कर्मियों सहित 500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकता और सामूहिक प्रयास के आदर्शों की भावना के अनुरूप किया गया। पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के गांधीनगर क्षेत्रीय केंद्र ने फिट इंडिया मूवमेंट और माई भारत के सहयोग से वीर सावरकर खेल परिसर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया। विज्ञप्ति में कहा गया कि गुजरात की विभिन्न एनसीसी बटालियनों और इकाइयों के कैडेट एवं जवानों सहित 500 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। इस पहल के माध्यम से सक्रिय जीवनशैली अपनाने, सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देने और स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जुंबा सत्र से हुई। इसके बाद शतरंज, फुटबॉल, लूडो, बैडमिंटन और वॉलीबॉल सहित मनोरंजक एवं खेल गतिविधियां आयोजित की गईं।

लखनऊ मंडल ने प्रदेशीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

वेब वार्ता। लखनऊ



लखनऊ मंडल की टीम ने झांसी में 28 से 31 अक्टूबर तक आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रदेशीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में लखनऊ की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल डी में अपने तीनों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

लखनऊ की टीम ने पूल मुकाबलों में आजमगढ़, अलीगढ़ और आगरा को शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। फिर लखनऊ ने क्वार्टर फाइनल में गोरखपुर को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि सेमीफाइनल मुकाबले में वाराणसी की टीम ने लखनऊ को 30-23 से पराजित कर दिया। इस हार के साथ लखनऊ मंडल को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में वाराणसी की टीम विजेता जबकि अयोध्या की टीम उपविजेता रही। लखनऊ की कांस्य पदक विजेता टीम को लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी डॉ. अतुल सिन्हा ने बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन किया। टीम के कोच मोहम्मद तौहीद ने कहा कि खिलाड़ियों ने जिस तरह जुझारुपन दिखाया वह सराहनीय रहा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकीः दक्षिण कोरिया व जापान सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी। जालंधर

दक्षिण कोरिया और जापान ने रविवार को यहां एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। दक्षिण कोरिया ने बांग्लादेश को 5-0 से हराया जबकि जापान ने चीन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। मेजबान और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता भारत तथा एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मलेशिया ने लगातार तीन जीत के साथ पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली थी। दिन के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने बांग्लादेश को 5-0 से करारी शिकस्त देकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दक्षिण कोरिया की टीम चार मैच में दो जीत के साथ अंक तालिका में फिलहाल तीसरे स्थान पर है। दक्षिण कोरिया के लिए डेन सोन ने 17वें, 32वें और 51वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई जबकि ग्युनवू पार्क ने सातवें और 34वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। दक्षिण कोरिया की टीम सोमवार को अपने अंतिम राउंड रोबिन मुकाबले में भारत से भिड़ेगी। दिन के दूसरे मुकाबले में जापान ने आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल गंवा दिया जिससे उसे चीन की युवा टीम के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। चीन ने आठवें मिनट में झांग जियालियांग के मैदानी गोल की मदद से बढ़त बनाई। जापान के कप्तान राइकी फुशिशिमा ने 48वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके कुछ ही सेकेंड बाद युमा नागाई ने मैदानी गोल दागकर जापान को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि चीन ने मैच के अंतिम मिनट में चेन बेनहाई ने पेनल्टी कॉर्नर पर दागे गोल की मदद से स्कोर 2-2 कर दिया। लेकिन यह ड्रॉ चीन को सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त नहीं था और जापान ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली।

राष्ट्रीय एकता दिवस की थीम पर साई एनएसआरसी में 'संडेज़ ऑन साइकिल' में दिखा जोश

- एनसीसी कैडेट्स ने निकाली पांच किमी की साइकिल रैली, स्किपिंग और पुश-अप चैलेंज की भी रही धूम

वेब वार्ता। लखनऊ



भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नेताजी सुभाष क्षेत्रीय केंद्र (एनएसआरसी), लखनऊ की ओर से रविवार को राष्ट्रीय एकता दिवस की थीम पर 'संडेज़ ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सरोजनी नगर, कानपुर रोड स्थित केंद्र परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल के करीब 50 एनसीसी कैडेट्स और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। साई एनएसआरसी के क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी आत्मप्रकाश के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत जुंबा और योग सत्र से हुई। इसके बाद प्रतिभागियों के लिए स्किपिंग और पुश-अप जैसी फिटनेस गतिविधियां आयोजित की गईं। आयोजन का मुख्य आकर्षण पांच किमी. की साइकिल रैली रही, जिसमें एनसीसी कैडेट्स, अधिकारियों और स्थानीय फिटनेस प्रेमियों ने भाग लिया। इस पहल से उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 100 खेलो इंडिया केंद्रों के करीब 1,500 प्रतिभागी भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने अपने-अपने केंद्रों पर साइकिलिंग और फिटनेस गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस दौरान एसोसिएट एनसीसी अधिकारी रवि मिश्रा और प्रशांत त्रिपाठी भी मौजूद रहे और आयोजन में युवाओं को नियमित व्यायाम और साइकिलिंग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

ब्रीफ न्यूज

अमरीन-आफरीन मतांतरण मामले का फरार आरोपी बिलाल गिरफ्तार

भोपाल। ब्यूटीशियन से दुष्कर्म और मतांतरण के लिए दबाव बनाने के मामले में फरार चल रहे आरोपित बिलाल को बागसेवनिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह अमरीन और आफरीन का चचेरा भाई है। फरारी के दौरान वह मुंबई में हिट एंड रन के एक मामले में जेल चला गया था। भोपाल पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर लाने की तैयारी कर रही थी, लेकिन इससे पहले ही वह जेल से छूटकर फरार हो गया। भोपाल लौटने की सूचना मिलते ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपित पर ब्यूटीशियन के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। छत्तीसगढ़ निवासी 31 वर्षीय ब्यूटीशियन की दिसंबर 2024 में भोपाल के एक होटल में आफरीन से मुलाकात हुई थी। बाद में दोनों अमरीन उर्फ माहिरा के संपर्क में आई और साथ रहने लगीं। पीड़िता का आरोप है कि अमरीन और आफरीन ने उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। अगस्त 2025 में चंदन नाम के युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

45 इलाकों में आज 2 से 6 घंटे तक बिजली कटौती

भोपाल। भोपाल के करीब 45 इलाकों में सोमवार को 2 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें न्यू मार्केट, अमरावतखुर्द, कोकता, आकृति ईको सिटी, गिरनार कॉलोनी, गिरनार हिल्स, राजधानी परिसर, पुष्पा नगर, 80 फीट रोड, ट्रांसपोर्ट नगर समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में बिजली संबंधित जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े। सुबह 10 से दोपहर 1.30 बजे तक रापड़िया एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक न्यू मार्केट, महादेव टॉवर, झंडा चौक, खानूगांव, अमरावतखुर्द, गिरनार कॉलोनी, गिरनार हिल्स, गैलेक्सी एवं आसपास के इलाके रहेंगे प्रभावित ।

चार दिन होंगे आयोजन
कॉलोनियों में भी व्यवस्थाएं

भोपाल में छठ पर्व पर होंगे बड़े आयोजन : घाटों पर तैयारियां तेज



भोपाल

भोजपुरी भाषी विकास संघ के प्रदेश प्रवक्ता एवं गोस्वामी समाज जिला भोपाल के अध्यक्ष छोटेलाल गिरि ने बताया कि इस वर्ष गोस्वामी समाज जिला भोपाल एवं भोजपुरी भाषी विकास संघ के संयुक्त तत्वावधान में छठ महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई तथा विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। छोटेलाल गिरि ने बताया कि इस वर्ष भोपाल में पांच नंबर पार्क, जहांगीराबाद, काली मंदिर, कमला पार्क, काशी विश्वनाथ मंदिर, जाटखेड़ी, बागमुगालिया, नीलबड़, रातीबड़, बरखेड़ा पठानी, हाई सेकेंडरी चौराहा, बैरागढ़, नारियलखेड़ा, कोटरा सुल्तानाबाद, हथाईखेड़ा, भदभदा एवं प्रेमपुरा घाट सहित अन्य स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। विशेष रूप से पांच नंबर स्टॉप पर छठ महापर्व के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यहां भोजपुरी कलाकारों द्वारा पारंपरिक छठ गीतों एवं भोजपुरी संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही आकर्षक आतिशबाजी भी की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत होगी। 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य तथा 16 नवंबर को प्रातःकालीन अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाएगा। छोटेलाल गिरि ने नगर निगम प्रशासन से सभी छठ घाटों पर विशेष साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके साथ ही विद्युत विभाग से सभी छठ घाटों पर पर्याप्त प्रकाश एवं विद्युत व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं, पुलिस प्रशासन से छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम करने का अनुरोध किया है। दोनों संगठनों द्वारा छठ महापर्व को श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाने की तैयारियां की जा रही हैं।

प्रेमपुरा छठ माई मंदिर में पूजा-अर्चना

छठ महापर्व की तैयारियों के बीच प्रेमपुरा स्थित छठ माई मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान प्रेमपुरा छठ घाट समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, सचिव चंद्रभान राय, लक्ष्मण गिरी, अर्जुन यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने छठ माई की पूजा कर आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने और सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

घाटों से दूर रहने वालों के लिए कॉलोनियों में भी बन रहे कुंड

इस बार प्रमुख घाटों के अलावा शहर की उन कॉलोनियों में भी श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है, जहां भोजपुरी समाज के लोग रहते हैं। कोकता बाईपास कॉलोनी में कुंड बनाने का काम चल रहा है। छठ घाट समिति के सचिव चंद्रभान राय ने बताया कि कोकता बाईपास कॉलोनी से प्रमुख घाट की दूरी अधिक है, इसलिए वहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुंड बनाया जा रहा है। इसी तरह अन्य कॉलोनियों में भी कुंड तैयार किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को अर्घ्य देने के लिए दूर नहीं जाना पड़े।

प्रशासन से भी होगा समन्वय

प्रेमपुरा और नीलबड़ घाट पर आयोजन को लेकर समितियां तैयारियों में जुटी हैं। घाटों की व्यवस्था, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन के साथ भी समन्वय किया जाएगा। बड़ा तालाब स्थित शीतलदास की बगिया में भी छठ महोत्सव का आयोजन होगा। मध्यप्रदेश पर्यटन की इवेंट लिस्टिंग में यहां 15 और 16 नवंबर को छठ महोत्सव का उल्लेख है। भोपाल नगर निगम भी आयोजन को सफल बनाने के लिए हर तरह की तैयारी कर रहा है।

यह रहेगा चार दिवसीय कार्यक्रम

13 नवंबर: नहाय-खाय के साथ पर्व की शुरुआत।
14 नवंबर: खरना।
15 नवंबर: संध्या अर्घ्य।
16 नवंबर: उषा अर्घ्य के बाद पारण।

अब केमिकल और साजिश के एंगल पर पुलिस की जांच तेज

आईएसबीटी बस स्टैंड अग्निकांड शॉर्ट सर्किट की थ्योरी खारिज



भोपाल

राजधानी के आईएसबीटी बस स्टैंड परिसर में वर्मा ट्रेवल्स की आठ बसों में लगी भीषण आग के मामले में एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। फॉरेंसिक साइंस लैब की शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका को पूरी तरह खारिज कर दिया गया है। इसके बाद अब पुलिस ने इस सनसनीखेज हादसे के पीछे किसी केमिकल या केरोसिन जैसे ज्वलनशील पदार्थ के इस्तेमाल की आशंका जताते हुए साजिश के एंगल से अपनी जांच तेज कर दी है।

गौरतलब है कि 25 अक्टूबर की शाम आईएसबीटी परिसर में खड़ी वर्मा ट्रेवल्स की आठों बसें अचानक आग की चपेट में आ गई थीं। यह आग इतनी भयानक थी कि सभी बसें जलकर पूरी तरह खाक हो गईं, जिससे ट्रेवल्स संचालक को करोड़ों रुपए के भारी नुकसान का अनुमान है। घटनास्थल से एफएसएल टीम द्वारा सुरक्षित किए गए साक्ष्य और नमूने जांच के लिए सागर स्थित फॉरेंसिक लैब भेजे गए हैं। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की वजह कमजोर पड़ने के बाद अब मुख्य रूप से यह पड़ताल की जा रही है कि क्या किसी ने सोची-समझी साजिश के तहत ज्वलनशील पदार्थ डालकर बसों में आग लगाई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए गोविंदपुरा थाना पुलिस ने आगजनी का केस दर्ज कर विभिन्न बिंदुओं पर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस की अब तक की तफ्तीश में एक और अहम तथ्य सामने आया है कि आग की चपेट में आई कुल आठ बसों में से तीन बसों का बीमा घटना से ठीक पहले ही समाप्त हो चुका था। यही वजह है कि पुलिस महकमा केवल आग लगने के तकनीकी कारणों तक सीमित न रहकर, इस घटना से जुड़े वित्तीय और अन्य सभी पहलुओं की भी बारीकी से पड़ताल कर रहा है। फिलहाल, एफएसएल की विस्तृत रिपोर्ट आने और पुलिस की संपूर्ण जांच पूरी होने के बाद ही इस बड़े अग्निकांड के असली रहस्यों से पर्दा उठ सकेगा।

एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा आया सामने

चार्टेड बस के बुकिंग ऑफिस संचालक से स्पॉट फाईन वसूला



निगम आयुक्त ने आईएसबीटी परिसर का निरीक्षण

निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने आईएसबीटी परिसर का निरीक्षण किया और गैर संचालित बसों को हटवाने, समस्त परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने, कॉरीडोर में दुकानदारों/बस ऑपरेटरों द्वारा रखे सामान को हटाकर कॉरीडोर क्लियर रखने तथा कॉरीडोर में सामान रखने वालों व गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध सख्ती से स्पॉट फाईन की कार्यवाही करने, उच्च स्तरीय साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्मार्ट सिटी द्वारा रखवाई साईकिलों को व्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त अहिरवार के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने आईएसबीटी कॉरीडोर में सामान रखने वाले बस ऑपरेटरों, चार्टेड बस के बुकिंग ऑफिस संचालक के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 05 हजार रुपए की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अमन मिश्रा, उपायुक्त भुवन गुप्ता व चंचलेश गिरहारे सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राज्यीय बस टर्मिनस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त अहिरवार ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के परिपालन में की गई कार्यवाही प्राप्त की और बस स्टैंड, कॉरीडोर व अन्य स्थानों का अवलोकन भी किया। निगम आयुक्त अहिरवार ने आईएसबीटी परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों से अतिक्रमणों को सख्ती के साथ हटाने, स्मार्ट सिटी द्वारा रखी गई साईकिल्स को व्यवस्थित ढंग से रखने, सम्पूर्ण आईएसबीटी में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

भोपाल के कोहेफिजा में व्यवसायिक गतिविधि, शिकायत

रहवासी इलाके में दुकानें स्कूल और होटलें खुली



भोपाल

भोपाल के रहवासी इलाकों में व्यवसायिक गतिविधियों का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट ने नगर निगम को साफ कहा है कि रहवासी इलाकों में किसी भी हालत में कमर्शियल एक्टिविटी नहीं होगी। बावजूद कई इलाके ऐसे हैं, जहां पर अभी भी निर्माण हो रहे हैं। इनमें से एक है कोहेफिजा। जहां की शिकायत अधिकारियों के पास पहुंची है। जानकारी के मुताबिक, कोहेफिजा पूर्णतः रहवासी कॉलोनी है, जो मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड एवं भोपाल विकास प्राधिकरण ने विकसित की थी। यहां भवन के मिनिमम ओपन स्पेस का नियम लागू है। यानी, भवन के सामने 20 फीट होने चाहिए। आजू-बाजू में भी जगह छोड़ना अनिवार्य है। मंजिलों की सीमा भी अधिकतम तय है। बावजूद यहां फ्लोर एरिया रेशों जैसे अनिवार्य और आवश्यक नियम ताक में रख दिए गए हैं। यहां एक-एक परिवार के लिए प्लाट काटे गए थे, लेकिन अब इन प्लाटों में बहुमंजिला भवन बन रहे हैं। जहां 20 से 30 फ्लैट है। पूर्णतः रहवासी कॉलोनी में दुकानें, स्कूल, हॉस्पिटल, होटलें और अब सर्विस अपार्टमेंट बगैर किसी लाइसेंस के खुलते जा रहे हैं।

रहवासियों का कहना- सुविधाएं नहीं मिल रही

रहवासियों का कहना है कि हाउसिंग बोर्ड और बीडीए की कॉलोनी जो निश्चित संख्या के परिवार की कॉलोनी के अनुसार ड्रेनेज लाइन और पेयजल के हिसाब से बनाई गई थी। अब वहां सड़कों पर सीवेज बह रहा है।

अवैध निर्माण तोड़ने की मांग

रहवासियों ने इलाके में अवैध निर्माण तोड़ने की मांग की है। बताया कि कोहेफिजा की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में फिटनेस सेंटर के ठीक सामने भी नियम के विपरित निर्माण हो रहा है। बेसमेंट, भूतल और ऊपर चार मंजिला निर्माण को मिलाकर कुल 24 हजार स्क्वेयर फीट पर निर्माण कार्य चल रहा है। नियमानुसार भूतल पर अधिकतम 2500 वर्गफुट से अधिक निर्माण ही होना चाहिए। न्यूनतम 20 फीट खुला स्थान छोड़ा जाना आवश्यक है, जबकि निर्माणकर्ता द्वारा मात्र 5 फीट स्थान छोड़ा गया है।

माउंट कार्मल कॉन्वेंट स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मना वार्षिकोत्सव

विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बांधा समां



भोपाल

राजधानी के कोलार रोड स्थित माउंट कार्मल कॉन्वेंट स्कूल में शनिवार को वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के वातावरण में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर उत्सव की रंगीन छटा और विद्यार्थियों की प्रतिभाओं से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामई उपस्थिति रही। समारोह के मुख्य अतिथि थोंगखोलेट माटे, सीबीएसई रीजनल ऑफिस भोपाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गिरीश सारस्वत, ट्रैफिक एजुकेशन भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर सुधा सहित विद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ और बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल हुए। वार्षिकोत्सव का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी कला, प्रतिभा और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। तालियों की गड़गड़ाहट ने प्रत्येक प्रस्तुति पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करना भी है। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। वार्षिकोत्सव ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों को एक सुंदर मंच प्रदान किया।

पत्नी को घुमाने के लिए शोरूम से उड़ाई 23 लाख की वर्टस

भोपाल। महंगी गाड़ियों में घूमने और अपनी पत्नी के महंगे शौक पूरे करने की चाहत एक शोरूम कर्मचारी को जेल की सलाखों के पीछे ले आई। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित फॉक्सवैगन कार शोरूम में काम करने वाले एक कर्मचारी ने ही 23 लाख रुपए कीमत की लग्जरी कार पर हाथ साफ कर दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि पुलिस ने जब जीपीएस लोकेशन के आधार पर दबिश दी, तो चोरी की गई इस कार को आरोपी की पत्नी खुद ड्राइव करती हुई मिली। आरोपी गजेंद्र उर्फ ऋषि आनंद पिछले एक साल से शोरूम में नौकरी कर रहा था। उसने शातिर तरीके से ग्राहक के नाम पर बुक हुई फॉक्सवैगन वर्टस जीटी कार को शोरूम से निकाला और लेकर चंपत हो गया। घटना का खुलासा तब हुआ जब कंपनी ने अपने वाहनों के स्टॉक का मिलान किया और करीब 23 लाख रुपये की यह गाड़ी गायब मिली। पुलिस ने जीपीएस को ट्रैक किया। लोकेशन आशिमा मॉल के पास मिलने पर पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर आरोपी गजेंद्र उर्फ ऋषि आनंद को गिरफ्तार कर लिया है।



■ पुलिस ने ऐसे दबोचा, लग्जरी लाइफस्टाइल का शौक पड़ा भारी

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर प्रज्ञा विद्यालय की छात्राओं का कमाल

कोलार थाने में 4 घंटे में 9 किलो रंगों से बनाई मनमोहक रंगोली



भोपाल

मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस के गरिमामय अवसर पर राजधानी भोपाल के कोलार रोड स्थित प्रज्ञा विद्यालय की छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का अनूठा प्रदर्शन किया। विद्यालय की शिक्षिका रोशनी ठाकरे ने बताया कि प्रतिभावान छात्राओं ने कोलार थाना परिसर में चार घंटे के अथक परिश्रम से 9 किलोग्राम रंगों का उपयोग कर अत्यंत भव्य, विहंगम और मनमोहक रंगोली सजाई। सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चले इस कलात्मक अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और कला परंपरा को जीवंत रंगों में उकेरकर अपनी माटी के प्रति गहरा सम्मान और गौरव प्रकट किया। थाना परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के दौरान कोलार थाना प्रभारी, प्रज्ञा स्कूल के डायरेक्टर नरेंद्र राठौर और विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं विशेष रूप से उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन ने छात्राओं की अद्भुत कल्पनाशीलता, टीम भावना और कला कौशल की मुक्तकंठ से सराहना की। थाना प्रभारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कानून और सुरक्षा के केंद्र में इस प्रकार की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां सकारात्मक वातावरण का निर्माण करती हैं।

उन्होंने सभी बाल कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें स्थापना दिवस की बधाई दी। रंगोली निर्माण के दौरान छात्राओं का समर्पण और अनुशासन देखने योग्य था। सुबह ठीक 9:30 बजे छात्राओं की टीम ने थाना परिसर के मुख्य भाग में रेखांकन आरंभ किया और दोपहर 1:30 बजे तक पूरे चार घंटे की निरंतर मेहनत के बाद इसे अंतिम रूप दिया। छात्राओं ने अपनी इस कलाकृति के जरिए मध्य प्रदेश की भौगोलिक विविधता, लोक कला और राष्ट्रीय चेतना का ऐसा सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया।

इन छात्राओं ने रचनात्मक प्रतिभा का दिखाया जलवा

रंगोली निर्माण में प्रज्ञा विद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। इस दल में मुख्य रूप से छात्रा नीलम अड़ाव, जया नाथ, ऋषिका अहिरवार, खुशी सिंह, सोनाली राजपूत, प्रिंसी, यशवी सोमकुवर और सिमरन शामिल रहीं। इन सभी छात्राओं ने आपसी तालमेल और रचनात्मक सूझबूझ का परिचय देते हुए हर एक कोण को बारीकी से सजाया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधन एवं कोलार थाना स्टाफ द्वारा रंगोली बनाने वाली सभी प्रतिभागी छात्राओं को उपहार एवं प्रमाण-पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की गईं।

निरीक्षण
जमातों की सुविधा के लिए मोबाइल नेटवर्क, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी किया जा रहा मजबूत

भोपाल इज्तिमा में तीस फीसदी पानी बचाने का लक्ष्य



भोपाल

4 से 7 दिसंबर तक भोपाल के ईंटखेड़ी में होने वाले 79वें आलमी तब्लीगी इज्तिमा में इस बार पानी की खपत 30 प्रतिशत घटाने का लक्ष्य है। मोबाइल नेटवर्क सुधारेगा, रेलवे स्टेशन-बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क बनेंगे और मेट्रो निर्माण के बीच ट्रैफिक प्रबंधन, सीसीटीवी, 24 घंटे चिकित्सा तथा खानपान की गुणवत्ता जांच पर जोर रहेगा। भोपाल के ईंटखेड़ी में होने वाले 79वें आलमी तब्लीगी इज्तिमा में इस बार व्यवस्थाओं के साथ जल संरक्षण पर भी विशेष जोर रहेगा। आयोजन में पानी की कुल खपत कम से कम 30 प्रतिशत घटाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए वुजू स्थलों पर पानी की बर्बादी रोकने से लेकर पाइपलाइनों में लीकेज नियंत्रित करने तक की तैयारी है। मातों की सुविधा के लिए मोबाइल नेटवर्क, यातायात, पार्किंग, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। इस बार की तैयारियों में खास बात यह है कि प्रशासन केवल आयोजन स्थल पर सुविधाएं जुटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि भोपाल पहुंचने वाले जायरीन को रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से ही सहायता देने की योजना पर काम कर रहा है।

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क

दूसरे शहरों और राज्यों से आने वाली जमातों की मदद के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क बनाए जाएंगे। यहां से जायरीन को इज्तिमागाह तक पहुंचने, रास्तों और जरूरी सुविधाओं की जानकारी मिलेगी। आयोजन स्थल पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पुलिस बल की तैनाती के साथ भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था की जाएगी। प्रशासन और इज्तिमा कमेटी के बीच समन्वय बनाकर सुरक्षा इंतजामों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

पानी की खपत 30 प्रतिशत घटाने की पहल

इज्तिमा इंतजामिया कमेटी ने इस बार जल संरक्षण को मुख्य संदेश बनाया है। लक्ष्य पिछले तुलनीय आयोजन के मुकाबले पानी की खपत कम से कम 30 प्रतिशत घटाने का है। वुजू के दौरान अनावश्यक पानी बहने से रोकने, नलों और पाइपलाइनों में लीकेज नियंत्रित करने तथा पेयजल वितरण व्यवस्थित करने पर ध्यान दिया जाएगा। वालंटियर्स जायरीन को पानी बचाने के लिए जागरूक करेंगे। आयोजन स्थल पर भी जल संरक्षण के संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे।

24 घंटे चिकित्सा और एंबुलेंस सेवा

आयोजन के दौरान स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत रखने की तैयारी है। कलेक्टर ने 24 घंटे चिकित्सा और एंबुलेंस सेवा उपलब्ध रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी आपात स्थिति में तत्काल मदद मिल सके। अस्पतालों और स्वास्थ्य विभाग को भी जरूरी इंतजाम रखने को कहा गया है।कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पंकज पांडे ने अधिकारियों के साथ ईंटखेड़ी स्थित इज्तिमागाह का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल, बिजली, साफ-सफाई, पहुंच मार्ग, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। अधिकारियों को सभी काम निर्धारित समय-सीमा में पूरे करने के निर्देश दिए गए। इससे पहले 15 अक्टूबर को संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने संबंधित विभागों और इज्तिमा समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की थी। संभागायुक्त ने सभी विभागों को मिनट-टू-मिनट एक्शन प्लान बनाने और आयोजन स्थल पर जाकर कामों का भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे।

नरेला विधानसभा में वृहद सफाई अभियान शुरू, मंत्री सारंग ने की शुरुआत



भोपाल

दीपावली के मद्देनजर नरेला विधानसभा क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की गई। श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में मंत्री विश्वास सारंग ने स्वयं सफाई कर अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 5 नवंबर तक विधानसभा के सभी वार्डों में चलाया जाएगा। मंत्री सारंग ने बताया कि अभियान के तहत रोड स्वीपिंग मशीन फॉगिंग मशीन डंपर जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से सफाई की जाएगी। हजारों सफाईकर्मी क्षेत्र की सड़कों गलियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई में जुटेंगे। उन्होंने कहा कि सफाई मित्रों की मेहनत से भोपाल में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर हो रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कचरा सड़कों पर न फेंकें और स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें।

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फजल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email :timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।